सतना
04 दिसंबर 2025 गुरुवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

गुजरात के भावनगर में कॉम्प्लेक्स में आग, 19 का रेस्क्यू

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के भावनगर में बुधवार सुबह एक कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। बेसमेंट में शुरू हुई आग देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग में फैल गई। इसमें 4 अस्पताल और कई दुकानें हैं। आग के फैलते ही फर्स्ट फ्लोर के अस्पताल की खिड़की तोड़कर नवजातों को चादर में लपेटकर बाहर निकाला।

वहीं दूसरे अस्पताल से भी मरीजों का रेस्क्यू किया गया। प्रशासन के मुताबिक, घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। इमारत से धुआं फैलने के कारण मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

संजौली मस्जिद केस में हाईकोर्ट का ऑर्डर,ऊपर की तीन मंजिलें हटाने का आदेश

दोहराया,

शिमला, एजेंसी। हिमाचल हाईकोर्ट में संजौली मस्जिद मामले में वक्फ बोर्ड की याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मस्जिद की ऊपर बनी तीन मंजिलें हटाने का आदेश दोहराया है। जस्टिस अजय मोहन गोयल ने कहा कि वक्फ बोर्ड और मस्जिद कमेटी ने स्वयं इन मंजिलों को हटाने का वादा किया था, इसलिए इन्हें हटाना अनिवार्य है। यदि ऐसा नहीं किया गया तो नगर निगम इन्हें गिराने के लिए स्वतंत्र होगा। वक्फ बोर्ड ने कोर्ट को बताया कि तीन में से दो मंजिलें हटा दी गई हैं और आखिरी मंजिल भी हटाई जाएगी। वहीं, मस्जिद की निचली दो मंजिलों को लेकर हाईकोर्ट ने 5 अक्टूबर 2024 के आदेश के अनुसार यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

कमिश्नर के आदेशों के खिलाफ रिट याचिका दायर की थी : बता दें कि वक्फ बोर्ड ने बीते सप्ताह हाईकोर्ट में शिमला निगम कमिश्नर के आदेशों के खिलाफ रिट याचिका दायर की थी। बीते शुक्रवार को यह याचिका वापस लेकर दोबारा फाइल करने की अनुमति मांगी गई। आज दोबारा वक्फ बोर्ड की सीएमपीएमओ याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने 9 मार्च 2026 को होने वाली अगली सुनवाई तक निगम कमिश्नर के ऑर्डर की अनुपालना करने के आदेश दिए। इससे पहले, वक्फ बोर्ड निगम कमिश्नर के मस्जिद तोड़ने के आदेशों को जिला अदालत में चुनौती दे चुका है।

संसद का शीतकालीन सत्रः पीएम मोदी बंगाल के भाजपा सांसदों से मिले

कहा- विधानसभा चुनाव जीतना है, अभी से काम शुरू करें; विपक्षी सांसद गैस मास्क पहनकर संसद पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र का बुधवार को तीसरा दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुबह 11 बजे दोनों सदनों की कार्यवाही से पहले संसद परिसर में पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से मुलाकात की। उन्होंने सांसदों से कहा कि राज्य के मौजूदा हालात को लेकर जनता से बातचीत की जरूरत है।

पीएम ने कहा- जमीनी स्तर पर जो कुछ हो रहा है, उसका कड़ा विरोध करना चाहिए। 2026 विधानसभा चुनाव को लेकर, प्रधानमंत्री ने सांसदों से डिटेल में प्रजेंटेशन तैयार करने, पॉलिटिकल प्लानिंग और लोगों को संगठित करने के लिए ग्राउंड वर्क पर काम पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों से कहा कि सांसद खगेन मुर्मू पर हमले जैसी घटनाओं को प्रभावी ढंग से उजागर किया जाना चाहिए। ताकि वहां के लोग समझ सकें कि तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व में किस तरह हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा है।दूसरी तरफ, कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर मकर द्वार के सामने नए लेबर लॉ के खिलाफ प्रदर्शन किया। कुछ विपक्षी सांसद दिल्ली में वायु प्रदूषण के खिलाफ विरोध जताने के लिए गैस मास्क पहनकर पहुंचे।

मंगलवार को स्पीकर ओम बिड़ला की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक में इस पर सहमति बनी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया, 8 नवंबर को 'वंदे मातरम्' के 150 साल पर विशेष चर्चा होगी। वहीं, 9 नवंबर को 'चुनाव सुधारों' पर बहस होगी।

कांग्रेस के चीफ व्हिप के. सुरेश ने बताया, चुनाव सुधारों में SIR का मुद्दा भी होगा।

कांग्रेस सांसद बोले- जब तक प्रदूषण पर चर्चा नहीं होती, गैस मास्क पहनकर आएंगे

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा- आज ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि हम इस जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। हम मांग करते हैं कि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाए और प्रधानमंत्री इस पर आगे आएं। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों का एक समूह बनाया जाए और दिल्ली-NCR में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए बजट आवंटन के साथ एक योजना बनाई जाए।

प्रियंका बोलीं- वायु प्रदूषण राजनीतिक मामला नहीं, संसद में चर्चा हो

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायु प्रदूषण पर कहा- मैं हर दिन कहती हूं कि सबको मिलकर इस मुद्दे पर कुछ करना चाहिए। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। संसद में इस पर चर्चा होनी चाहिए और ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव में भाजपा को 2 सीटों का नुकसान, 9 से घटकर 7 सीटें हुईं

कांग्रेस का खाता खुला, आप की 3 सीटें बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (MCD) के 12 वार्डों पर उपचुनावों के नतीजे आ गए हैं। भाजपा ने 7, आम आदमी पार्टी ने 3 और कांग्रेस-ऑल इंडिया फॉर्वर्ड ब्लॉक पर जीत हासिल की है। इससे पहले 12 वार्डों में से 9 भाजपा और 3 आप के पास थे।

दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के बाद हुए इस पहले चुनाव में पार्टी को 2 सीटों का नुकसान हुआ है। वहीं, कांग्रेस अपना खाता खोलने में कामयाब रही है। बीजेपी ने जिन वार्डों में जीत दर्ज की उनमें द्वारका-बी, अशोक विहार, ग्रेटर कैलाश, दिचाऊं कलां, शालीमार बाग-बी, विनोद नगर और चांदनी चौक शामिल हैं।

आप ने नरैना, मुण्डका, डाक्षिणपुरी और एक अन्य सीट जीती। कांग्रेस के सुरेश चौधरी ने संगम विहार-A से 3628 वोटों की बढ़त से जीत हासिल की। यह कांग्रेस की एकमात्र जीत रही। चांदनी महल से AIFB के मोहम्मद इमरान जीते।

इन 12 वार्डों में मतदान 30 नवंबर को हुआ था। इस बार मतदान प्रतिशत 38.51% रहा, जो 2022 में 250 वार्डों पर हुए चुनावों के 50.47% टर्नआउट से काफी कम है।

भाजपा की 2 सीटों पर आप का कब्जा

इस उपचुनावों में भाजपा ने जिन 2 सीटों को खोया है, वो दोनों सीट आप को मिली है। हालांकि आप को भी अपनी 2 पुरानी सीटों पर हार मिली, इस वजह से उसके पास पहले की तरह 3 ही सीटें रही।

30 नवंबर को वोटिंग हुई थी

दिल्ली नगर निगम (MCD) के 12 वार्डों पर उपचुनाव के लिए 30 नवंबर को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक वोटिंग हुई थी। इस चुनाव में 51 उम्मीदवार मैदान में थे। इस बार मतदान प्रतिशत 38.51% रहा। इन 12 सीटों से 11 सीटें पार्षदों के विधायक बनने के बाद खाली हुई थीं। जबकि द्वारका बी सीट 2024 में खाली हुई थी, जब यहां की पूर्व पार्षद कमलजीत सहरावत ने पश्चिमी दिल्ली सीट से लोकसभा चुनाव जीता था।

केंद्र बोला- संचार साथी से जासूसी संभव नहीं, न होगी-हम आदेश बदलने को तैयार

पहले कहा था- हर मोबाइल में एप इंस्टॉल करना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि संचार साथी एप से, जासूसी करना न तो संभव है, न ही जासूसी होगी। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एप को लेकर कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा के सवालों के जवाब पर कहा- फीडबैक के आधार पर, मंत्रालय एप इंस्टॉल करने के आदेश में बदलाव करने को तैयार है।

दरअसल, दूरसंचार विभाग (DoT) ने 28 नवंबर को सभी मोबाइल फोन निर्माताओं को एक आदेश जारी किया था। इसमें कंपनियों को भारत में बेचे जाने वाले सभी मोबाइल फोन के साथ-साथ सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए मौजूदा हैंडसेटों में भी संचार साथी पहले से इंस्टॉल करना

अनिवार्य कर दिया था।

इसको लेकर विवाद शुरू हो गया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा था कि यह कदम लोगों की प्राइवेसी पर सीधा हमला है। यह एक जासूसी एप है। सरकार हर नागरिक की निगरानी करना चाहती है। साइबर धोखाधड़ी रोकने लिए सिस्टम जरूरी है, लेकिन सरकार का यह आदेश लोगों की निजी जिंदगी में अनावश्यक दखल जैसा है।

मुस्लिमों को मथुरा-ज्ञानवापी पर दावा छोड़ना चाहिए,ये हिंदुओं के लिए मक्का-मदीना जैसे :एएसआई पूर्व अधिकारी

कोझिकोड, एजेंसी। इंडिया आर्कियोलॉजिकल सर्वे (ASI) के पूर्व रीजनल डायरेक्टर केके मुहम्मद ने कहा है कि मुसलमानों को दो और ऐतिहासिक जगहें छोड़ देनी चाहिए जो मंदिर भी हैं। पहली- मथुरा जो भगवान कृष्ण का जन्मस्थान है। दूसरी- ज्ञानवापी जो भगवान शिव से जुड़ी है।

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए केके मुहम्मद ने कहा कि ये जगहें मुसलमानों को हिंदू समुदाय को भव्य हिंदू मंदिर बनाने के लिए सौंप देनी चाहिए। मथुरा-काशी

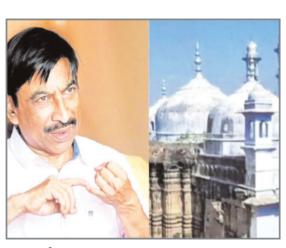

हिंदुओं के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने मक्का और मदीना मुसलमानों के लिए हैं।

हालांकि उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि हिंदू समुदाय को अयोध्या, वाराणसी और मथुरा के अलावा हर मस्जिद के पीछे नहीं जाना चाहिए। दोनों समुदायों के नेतृत्व को कुछ शर्तों पर सहमत होना चाहिए।

केके भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के नॉर्थ जोन के रीजनल डायरेक्टर के तौर पर 2012 में रिटायर हो चुके हैं। वे 1976 में बीबी लाल की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने बाबरी मस्जिद की खुदाई की थी।

केके का दावा- कम्युनिस्ट इतिहासकार मुसलमानों के दिमाग में जहर भर देंगे

केके ने कहा कि आपको कम्युनिस्ट इतिहासकारों से इन सब बातों पर बात नहीं करनी चाहिए क्योंकि पहले के मामले में भी इरफान हबीब जैसे कम्युनिस्ट इतिहासकारों और JNU के कुछ लोगों ने ही इस मुद्दे को उलझाया था। मुस्लिम समुदाय का एक हिस्सा राम जन्मभूमि सौंपने के लिए भी तैयार था क्योंकि मैंने कई लोगों से बात की थी। इसलिए, हमें इन कम्युनिस्ट इतिहासकारों को नहीं लाना चाहिए, वे इस मुद्दे को उलझा देंगे और मुसलमानों के दिमाग में जहर भर देंगे।

मदनी बोले- आतंकवादियों से लड़ना ही असली जिहाद,यह पवित्र शब्द

सरकारें इसे मुस्लिमों को गाली देने के लिए इस्तेमाल कर रहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रेसिडेंट मौलाना महमूद मदनी ने जिहाद वाले बयान पर सफाई दी है। मदनी ने कहा कि उनके बयान से होने वाले किसी भी कन्फ्यूजन की जिम्मेदारी वे खुद लेते हैं। उनके शब्दों को उनके पूरे कॉन्टेक्स्ट के अलावा गलत समझा गया है। न्यूज एजेंसी ANI को दिए एक इंटरव्यू में मदनी ने कहा कि उनका इरादा जिहाद के पवित्र और ऐतिहासिक मतलब को हाईलाइट करना था। लेकिन वे यह पक्का करने की जिम्मेदारी नहीं निभा सके कि इसका गलत मतलब न निकाला जाए। दरअसल, 29 नवंबर को जमीयत प्रेसिडेंट ने भोपाल में नेशनल गवर्निंग बॉडी की मीटिंग के दौरान जिहाद शब्द के बारे में कहा था कि इस्लाम और मुसलमानों के दुश्मनों ने जिहाद को गाली, झगड़े और हिंसा का मतलब बना दिया है। आज लव जिहाद, लैंड जिहाद, तालीम जिहाद, थूक जिहाद, वोट जिहाद जैसे शब्दों का इस्तेमाल मुसलमानों की आस्था का अपमान करने के लिए किया जाता है। बदकिस्मती से सरकार और मीडिया के लोगों को ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने में कोई शर्म नहीं आती।

पुतिन का भारत दौरा आज :

'उड़ता किला' लेकर आएंगे रूसी राष्ट्रपति, मोदी पर अटूट भरोसे संग फोर्ट्रेस सिक्योरिटी लागू

मास्को/नई दिल्ली, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आगमन से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने अब तक की सबसे उच्च श्रेणी की वीवीआइपी सुरक्षा का ब्लूप्रिंट तैयार किया है। पुतिन जिनके विमान को दुनिया में आसमान में उड़ता किला कहा जाता है, उनके साथ सड़क मूवमेंट के लिए सुरक्षित लिमोजिन से लेकर भोजन और संचार व्यवस्था तक रूस अपनी पूरी टीम और उपकरण भारत लाता है। भारत आने पर पुतिन फोर्ट्रेस सिक्योरिटी पर रहेंगे।फोर्ट्रेस सिक्योरिटी वह सुरक्षा है जिसमें लक्ष्य को हर तरह के बाहरी खतरे से लगभग पूरी तरह अजेय बना दिया जाता है। मोदी दुनिया के उन चुनिंदा शासन प्रमुखों में हैं जिन पर पुतिन बेहद भरोसा करते हैं।अधिकारिक राजनयिक सूत्र और सुरक्षा एजेंसियों के हवाले से प्राप्त जानकारी बताती है कि पुतिन के विमान और सुरक्षा प्रोटोकॉल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विमान से तुलना के योग्य है और कई पहलुओं में उससे अलग भी।

सड़क मूवमेंट : रूस लाता है अपनी खुद की बख्तरबंद लिमोजिन

पुतिन के किसी भी दौर पर सुरक्षा सिर्फ विमान तक सीमित नहीं रहती। सड़क सुरक्षा के लिए रूस भारत में अपना पूरा मोटरकेड लाता है, जिसमें औरुस सेनैत लिमोजिन शामिल होती है। वही कार जिसमें मॉस्को में राष्ट्रपति काफिला चलता है। यह कार बुलेट-प्रूफ और ग्रेनेड-प्रूफ आरपीजी-विस्फोटक प्रतिरोधक,हर्मेटिक सील से लैस, गैस-अटैक में भी सुरक्षित रहती है।

एयर फोर्स वन से कम नहीं है आईएल-96-3000 प्यू

स्ट्रैटेजिक एविएशन इंटेलिजेंस नेटवर्क की गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा का सबसे उच्च मानदंड उस उड़ान को माना जाता है जिसमें राष्ट्राध्यक्ष यात्रा करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एअर फोर्स वन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आईएल-96-3000 प्यू दोनों विमानों को वैश्विक सुरक्षा ढांचे में उड़ता हुआ सैन्य मुख्यालय कहा जाता है। दोनों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद मजबूत है।

जनगणना-2027 दो फेज में होगी, पहला चरण अप्रैल 2026 से

दूसरा चरण फरवरी 2027 में होगा, राहुल गांधी के सवाल का गृह मंत्रालय ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि जनगणना 2027 की प्रक्रिया दो स्टेज में होगी, जिसकी शुरुआत 2026 में घरों की लिस्टिंग और घरों का डेटा इकठ्ठा करने से होगी।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक सवाल के लिखित जवाब में विवरण देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि पहले चरण में आवास गणना और दूसरे चरण में आबादी की गणना की जाएगी।

पहला फेज अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच 30 दिन में पूरा होगा। इसके लिए राज्य और केंद्र शासित प्रदेश टाइमलाइन तय करेंगे। दूसरा फेज जिसमें आबादी की गिनती होगी, वह फरवरी 2027 में होगा। जनगणना 2027 की टाइमलाइन पिछली जनगणनाओं में अपनाए गए तरीकों की तरह ही रखी गई है। मंत्रालय के मुताबिक 1 मार्च 2027 को रात 12 बजे पूरे देश में गिनती के लिए रेफरेंस डेट होगी। हालांकि लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फीले इलाकों के लिए, आबादी की गिनती सितंबर 2026 में की जाएगी। 1 अक्टूबर 2026 को रेफरेंस डेट माना जाएगा।

जनगणना 2027 पर नित्यानंद राय के जवाब की बड़ी बातें: सरकार पहले के

जनगणना राउंड से सीखे गए सबक और बेस्ट प्रैक्टिस को शामिल करेगी, जिसमें कुछ राज्यों में किए गए जाति-आधारित सर्वे भी शामिल हैं। प्रोसेस में पहले से ही पिछली एक्सरसाइज से मिली सीख और स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन को शामिल किया गया है। जनगणना के दौरान पूछे जाने वाले सवाल संबंधित मंत्रालयों, यूजर ऑर्गनाइजेशन और सब्जेक्ट एक्सपर्ट के साथ चर्चा के बाद ही फाइनल किए जाते हैं। ऑफिशियल गजट में नोटिफाई किए जाने से पहले ड्राफ्ट क्वेश्चनेयर प्रैक्टिकल हैं या नहीं, यह देखने के लिए फील्ड टेस्टिंग होती है। जनगणना 2027 के लिए देश भर में प्री-टेस्ट 30 नवंबर को खत्म हुआ और फाइनल क्वेश्चनेयर जल्द ही नोटिफाई होने की उम्मीद है। रजिस्ट्रार जनरल और सेंसस कमिश्नर का ऑफिस क्वेश्चनेयर को फाइनल करने के प्रोसेस में है। हाउसलिस्टिंग फेज का पायलट 10 से 30 नवंबर 2025 के बीच किया गया। इस दौरान डिजिटल डेटा कलेक्शन मॉडल को भी टेस्ट किया गया। जवाब देने वालों को 1 से 7 नवंबर 2025 के बीच खुद गिनती करने की परमिशन दी गई। जनगणना 2027 में जाति की गिनती कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिकल अफेयर्स के 30 अप्रैल, 2025 के फैसले के मुताबिक की जाएगी।

जनगणना का ज्यादातर काम पेपरलेस होगा

मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। कागज पर लिखी जानकारी पढ़ने के लिए एआई आधारित इंटेलीजेंट कैरेक्टर रिकगनीशन टूल्स होंगे। जीपीएस टैगिंग और प्री-कोडेड ड्रॉपडाउन मैन्यू की व्यवस्था में गलती की गुंजाइश नहीं रहेगी। आम लोगों की मदद के लिए राष्ट्रव्यापी प्रचार होगा।

लोकसभा में इन सवालों के जवाब भी दिए गए

- **2020 से अब तक 2.49 करोड़ राशन कार्ड डिलीट :** सरकार ने बताया कि 2020 से अब तक 2.49 करोड़ राशन कार्ड डिलीट किए हैं। मंत्री निमुबेन बाम्भनिया ने बताया कि यह कार्रवाई डुप्लिकेट, अपात्र लाभार्थी, मृत्यु या स्थायी रूप से स्थानांतरण जैसी वजहों से की गई। देश में अभी 20.29 करोड़ राशन कार्ड सक्रिय हैं और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया जाता है।
- **सहारा जमाकर्ताओं को 6,842 करोड़ रिफंड :** अमित शाह ने बताया कि सहारा ग्रुप की सहकारी समितियों ने अब तक 35.44 लाख जमाकर्ताओं को 6,841.86 करोड़ रु. लौटाए हैं। हर जमाकर्ता को अधिकतम 50,000 रुपए तक रिफंड मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भुगतान की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2026 तक बढ़ा दी है।
- **700 से अधिक कफ सिरप निर्माताओं का ऑडिट हुआ :** सरकार ने राज्यसभा में बताया कि बच्चों की मौत के मामलों के बाद 700 से अधिक कफ सिरप निर्माताओं का सघन ऑडिट किया गया। 19 नमूनों में से 4 असुरक्षित पाए गए, जिनमें एक सिरप में 46त्न डाइइथिलीन ग्लाइकॉल मिला।

सीएम रेखा गुप्ता ने शुरू किया आपदा तैयार स्कूल अभियान

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि देश और शहरों को किसी भी आपदा के लिए तैयार रहना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में हमेशा तैयार रहना चाहिए ताकि वहां मौजूद हजारों बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।पूसा रोड स्थित एक निजी स्कूल से दिल्ली के छह शैक्षणिक जिलों में आपदा के लिए तैयार स्कूल सुरक्षा अभियान का शुभारंभ करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए गुप्ता ने कहा कि इस पहल से शैक्षणिक संस्थानों में तैयारी और प्रतिक्रिया प्रणाली मजबूत होगी।

सीएम ने स्कूलों में आपदा तैयारी को बताया बेहद जरूरी: उन्होंने कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हमारा देश और शहर आपदा के लिए तैयार रहें। स्कूलों को आपदा के लिए तैयार रहना चाहिए, जहां एक समय में हजारों बच्चे मौजूद होते हैं। किसी भी आपदा से निपटने के लिए स्कूल में सभी सुविधाएं मौजूद होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि यह अभियान, जो पूरे देश में चलाया जाएगा, दिल्ली के एक स्कूल से शुरू हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा, आपदा-तैयार स्कूल एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है। दिल्ली किसी भी तरह की आपदा से निपटने में सक्षम शहर बनेगा।

इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और शिक्षा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद थे।

स्कूलों में आपदा तैयारी और प्रशिक्षण सुनिश्चित: एक्स पर एक पोस्ट में, गुप्ता ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक स्कूल एक आपदा प्रबंधन योजना तैयार करे और नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित करे ताकि बच्चे यह जान सकें कि आपात स्थिति में शांत रहकर उन्हें तुरंत क्या कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा जो किसी भी वास्तविक संकट में कई लोगों की जान बचाने में मदद कर सकता है।

यह पहल राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA), दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) और शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से संचालित की जा रही है।

डीयू के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया कैंपस

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस द्वारा मौके पर की गई सघन तलाशी में किसी भी प्रकार का कोई संदिग्ध उपकरण या वस्तु नहीं मिली।

दिल्ली पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली रामजस कॉलेज और देशबंधु कॉलेज को आज ईमेल से बम की धमकी मिली थी। बम स्क्वाड और दिल्ली पुलिस मौके पर हैं। फिलहाल, अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

बीती 20 नवंबर को दिल्ली के कई स्कूलों को मिली थी धमकी: दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित संस्कृति स्कूल समेत कई स्कूलों बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद हड़कंप मच गया था। स्कूल प्रशासन ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी थी, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंचे थे। स्कूल परिसर, भवनों, कक्षाओं और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया था।

चार कोर्ट और दो स्कूलों को बम से उड़ाने की भी मिल चुकी है धमकी: इससे पहले 18 नवंबर मंगलवार को दिल्ली के चार कोर्ट और दो स्कूलों को बम की धमकी मिली। के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। धमकी के बाद साकेत, द्वारका, पटियाला हाउस और रोहिणी स्थित अदालतों को तुरंत खाली करा लिया गया था और गहन तलाशी अभियान चलाया गया था। लेकिन कुछ संदिग्ध नहीं मिला था।

विदेशी मरीज के चेहरे से हटाया फुटबॉल के आकार का ट्यूमर

दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने 48 वर्षीय मरीज के चेहरे से फुटबॉल के आकार का कैंसरग्रस्त ट्यूमर हटाकर सफलतापूर्वक सर्जरी की है। मरीज किर्गिस्तान का रहने वाला है। मरीज की सर्जरी ओखला स्थित एक निजी अस्पताल के सर्जिकल ओंकोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. अर्चित पंडित के नेतृत्व में हुई। डॉक्टरों के अनुसार कैंसर का आकार बड़ा और साढ़े चार किलोग्राम होने की वजह से मरीज के चेहरे का दायां हिस्सा एक तरफ लटक गया था। मरीज को कैंसरग्रस्त ट्यूमर (एक्स्ट्रा-स्केलेटल ऑस्टियोसारकोमा) था। जिसका आकार 19×18 सेंटीमीटर था। गंभीर बीमारी के कारण मरीज को भारत आने के लिए हवाई यात्रा के दौरान एकदम अलग एकांत में यात्रा करनी पड़ी थी।

राजधानी में ठंडी हवाओं का कहर, पारा छह डिग्री तक लुढ़कने के आसार

दिल्ली, एजेंसी। पहाड़ों में बर्फबारी के असर से राजधानी में ठंडी हवाएं बढ़ गई हैं। बुधवार को आसमान साफ रहेगा, जबकि सुबह कुछ इलाकों में हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 24 और न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिन में चल रही ठंडी हवाएं लोगों को सिहरन महसूस कराएंगी। आने वाले दिनों में पारा 6 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना जताई गई है। मंगलवार को भी सुबह से ठंडक बनी रही। बाद में हल्की धूप निकली, और अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 97 और न्यूनतम 52 प्रतिशत रही। रिज सबसे ठंडा इलाका रहा, जहां न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। लोधी रोड में 10, पालम में 11.2 और आया नगर में 10.5 डिग्री दर्ज किया गया।

आईएमडी के अनुसार पांच दिसंबर को हल्के बादल, सुबह कोहरा और कुछ स्थानों पर कोल्ड वेव की स्थिति रह सकती है। छह और सात दिसंबर को भी हल्के बादल और सुबह हल्का कोहरा छाए रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 22-25 और न्यूनतम 7-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

समुद्र में भारत की और बढ़ेगी ताकत, नौसेना को मिलने जा रही पनडुब्बी अरिदमन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को जल्द ही परमाणु क्षमता से लैस एक और स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन मिलने जा रही है। देश की तीसरी स्वदेश निर्मित परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी को जल्द ही नौसेना में शामिल किया जाएगा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस कदम से समुद्र में भारत की ताकत और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि नौसेना के लिए पहले चार राफेल-मरीन विमान 2029 तक मिलने की उम्मीद है। चार दिसंबर को मनाए जाने वाले नौसेना दिवस से पूर्व वार्षिक प्रेस वार्ता को संबोधित करने हुए उन्होंने कहा कि फिलहाल आईएनएस अरिदमन के परीक्षण चल रहे हैं। पानी के भीतर करीब 44 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली अरिदमन का पता लगाना काफी मुश्किल है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 100 दिन का बाल विवाह मुक्त भारत अभियान करेगी शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय गुरुवार से बाल विवाह मुक्त भारत के लिए 100 दिन का गहन जागरूकता अभियान शुरू करेगी। यह अभियान बाल विवाह को समाप्त करने के राष्ट्रीय मिशन के एक साल पूरे होने के मौके पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में औपचारिक रूप से शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर उपस्थित रहेंगी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बाल विवाह मुक्त भारत कैंपेन की शुरुआत 27 नवंबर 2024 को की थी और इस अभियान ने अब एक साल का सफर पूरा किया है।

गुरुवार के कार्यक्रम में एक विशेष फिल्म भी दिखाई जाएगी, जिसमें देश भर से प्रेरणादायक कहानियां और बदलाव लाने वाले फ्रंटलाइन चैंपियंस के अनुभव साझा किए जाएंगे। इस फिल्म के माध्यम से भारत में बाल विवाह के खिलाफ किए गए प्रयासों और उपलब्धियों को दिखाया जाएगा।

यह 100 दिन का अभियान एक तीन-स्तरीय रणनीति के तहत संचालित होगा, जो नागरिकों और समुदायों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

पहला अभियान 31 दिसंबर 2025 तक आयोजित हो रहा है, जिसमें स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनमें डिबेट, निबंध प्रतियोगिता और शपथ ग्रहण समारोह सहित कई कार्यक्रम शामिल होंगे।

दूसरा अभियान 31 जनवरी 2026 तक आयोजित होगा, जिसमें धार्मिक नेताओं, सामुदायिक प्रभावकारों और विवाह सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और सशक्तिकरण का संदेश फैलाया जाएगा।

वहीं, तीसरा और अंतिम अभियान 1 फरवरी से 8 मार्च 2026 तक आयोजित किया जाना है, जिसके अंतर्गत ग्राम पंचायतों और नगर निकायों के सहयोग से स्थानीय स्तर पर बाल विवाह मुक्त क्षेत्र घोषित करने के प्रस्ताव पारित किए जाएंगे।

यह अभियान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पंचायती राज, ग्रामीण विकास और शिक्षा मंत्रालयों के सहयोग से चलाया जाएगा। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि नागरिक, संस्थाएं और सामुदायिक नेता इस मुहिम में शामिल होकर बाल विवाह को समाप्त करने के भारत के संकल्प को मजबूती से पूरा करने में सहयोग करें।

अमेरिका की यक्रेन में ट्रंप के शांति प्रस्ताव पर रूस से नहीं बन सकी बात

मास्को, एजेंसी। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर प्रतिनिधिमंडल के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलकर स्वदेश लौट रहे हैं। ट्रंप के यूक्रेन में शांति स्थापना का प्रस्ताव लेकर पहुंचे विटकॉफ व अन्य ने पुतिन से करीब पांच घंटे तक चर्चा की। फिलहाल दोनों के बीच युद्ध रुकने के कोई आसार नहीं हैं। प्रतिनिधिमंडल की रूस से बात नहीं बन सकी। अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत खत्म होने के बाद इस घटनाक्रम पर पहली प्रतिक्रिया पुतिन के शीर्ष सहयोगी यूरी उशाकोव ने दी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन शांति प्रस्ताव पर अभी बहुत काम करना बाकी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बैठक लगभग पांच घंटे तक चली। यह बैठक वीकेंड में फ्लोरिडा में अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के तुरंत बाद हुई।

यूरी उशाकोव ने पत्रकारों से कहा कि बातचीत उपयोगी जरूर रही, लेकिन यूक्रेन में लंबे समय से चल रहे क्षेत्रीय मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई। क्षेत्रीय मुद्दा रूस के लिए ही नहीं अमेरिकियों के लिए भी सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, लेकिन कुछ अमेरिकी प्रस्ताव कमोबेश ठीक लग रहे हैं, लेकिन उन पर बात करने की जरूरत है।कुछ तरीके जो हमें सुझाए गए, वे हमें ठीक लगते हैं।

उशाकोव ने जोर देकर कहा, हम यूक्रेन में संकट को सुलझाने के करीब नहीं हैं,और अभी बहुत काम करना बाकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने हमें पिछले महीने पेश की गई 28 सूत्री शांति योजना के अलावा चार दस्तावेज और सौंपे हैं।

वेनेजुएला में ड्रग तस्करों पर जमीन से हमला करेगा अमेरिका, ट्रंप के फैसले पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर जल्द ही हमला करने के संकेत दे दिए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस कैबिनेट मीटिंग में कहा कि उनकी सरकार बहुत जल्द ड्रग तस्करों को टारगेट करते हुए जमीन पर हमले शुरू करेगी। ट्रंप ने मंगलवार को मीटिंग में कहा, हम जमीन पर ये हमले शुरू करने जा रहे हैं। जमीनी हमला बहुत आसान है और हम जानते हैं कि ड्रग तस्कर कौन से रास्ते अपनाते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार रात अमेरिकी सैनिकों को दिए अपने थैंक्स गिविंग स्पीच में, एयर फोर्स के 7वें बॉम्ब विंग को वेनेजुएला के ड्रग तस्करों को रोकने के लिए उनके कामों की सराहना की। बता दें, बॉम्ब विंग अमेरिकी वायु सेना की एक सैन्य इकाई है, जो बम बरसाने वाले विमानों का संचालन करती है।

अपने भाषण के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने ऐलान किया, समुद्र के रास्ते लगभग 85 फीसदी तस्करी रोक दी गई है और हम उन्हें जमीन के रास्ते रोकना शुरू करेंगे।

इससे पहले गुरुवार रात राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी सैनिकों को दिए अपने थैंक्सगिविंग स्पीच में वेनेजुएला के ड्रग तस्करों को रोकने के लिए एयर फोर्स के सातवें बॉम्ब विंग के कामों की सराहना की थी। बॉम्ब विंग अमेरिकी वायु सेना की एक सैन्य इकाई है, जो बम बरसाने वाले विमानों का संचालन करती है। अपने भाषण के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने ऐलान किया, समुद्र के रास्ते लगभग 85 फीसदी तस्करी रोक दी गई है और हम उन्हें जमीन के रास्ते रोकना शुरू करेंगे। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 2 सितंबर से पेंटागन ने कैरिबियन और पूर्वी प्रशांत महासागर में ड्रग तस्करी से जुड़े जहाजों पर कम से कम 21 ज्ञात हमले किए हैं। इन हमलों में जहाज पर सवार कम से कम 83 लोग मारे गए।

पिछले कुछ महीनों में वॉशिंगटन ने यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड समेत करीब एक दर्जन वॉरशिप और करीब 15,000 सैनिकों को कैरेबियन सागर में तैनात किया गया है। यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड एक बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर है।

इसकी कोस्टलाइन का एक बड़ा हिस्सा वेनेजुएला से मिलता है। इस इलाके में कम से कम बीते तीन दशकों से इतनी भारी संख्या में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी नहीं देखी गई। कई अमेरिकी सांसदों और आलोचकों ने सवाल उठाया है कि क्या सच में काउंटर नारकोटिक्स ही अमेरिका का एकमात्र मकसद है? इसके साथ ही अमेरिकी सांसदों ने यह भी पूछा कि क्या कैरेबियन सागर में अमेरिकी सैन्य हमले कानूनी हैं?

इससे पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने ड्रग्स के धंधे से किसी भी तरह का संबंध होने से इनकार किया था। राष्ट्रपति मादुरो ने ट्रंप पर उनके देश में सरकार बदलने के मकसद से युद्ध की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

खालिदा जिया की हालत नहीं सुधरी तो तारिक रहमान लौटेंगे बांग्लादेश, शीर्ष सैन्य अधिकारी हालचाल लेने अस्पताल पहुंचे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं होता और अगर वह उच्च इलाज के लिए विदेश ले जाने की हालत में नहीं हैं तो तारिक रहमान जल्द ही ब्रिटेन से बांग्लादेश लौट सकते हैं। उनके बेटे तारिक लंबे समय से लंदन में निर्वासन में् रह रहे हैं। आज ब्रिटेन और चीन से डॉक्टर्स ढाका पहुंच रहे हैं। वो खालिदा के स्वास्थ्य की जांच कर मेडिकल बोर्ड को अपनी राय देंगे। इसके बाद बोर्ड तय करेगा कि खालिदा का इलाज विदेश में होगा या बांग्लादेश में। प्रोथोम अलो अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

इसमें कहा गया है कि अगर विदेश जाने की स्थिति में होगी तो सिंगापुर को प्राथमिकता दी जाएगी। सिंगापुर की ढाका से दूरी काफी कम है। अगर उन्हें वहां ले जाया जाता है तो तारिक रहमान अपनी मां के पास रहने के लिए सिंगापुर जाएंगे। अगर हालात खालिदा को विदेश ले जाने की इजाजत नहीं देते हैं, तो तारिक रहमान बहुत जल्द लंदन से बांग्लादेश के लिए रवाना होंगे। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने मंगलवार शाम लगभग छह बजे फेसबुक पोस्ट में लगभग यही इशारा किया है। इस साल की शुरुआत में जनवरी में खालिदा उच्च इलाज के लिए लंदन गई थीं। प्रोथोम अलो की दूसरी रिपोर्ट के अनुसार, देश के शीर्ष तीन सैन्य अफसर मंगलवार रात करीब नौ बजे ढाका के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती खालिदा जिया का हालचाल लेने पहुंचे। उन्होंने मेडिकल बोर्ड के सदस्यों से भी बातचीत की।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा-सोमालियाई कचरा वह अमेरिका से कहीं और चले जाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक में कहा कि वह अमेरिका में एक भी सोमालियाई प्रवासी को नहीं देखना चाहते। यह लोग कचरा हैं। यह सच में अमेरिका में रहने लायक नहीं हैं। उन्होंने यह टिप्पणी कैबिनेट बैठक में की। सोमालियों के खिलाफ यह गुस्सा व्हाइट हाउस की तरफ से पूरे समुदाय के खिलाफ माना जा रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति को सोमालियों के खिलाफ गुस्सा ऐसे समय पर आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को बाहर निकालने की योजना तैयार कर रहा है। यह बैठक दो घंटे तक चली। ट्रंप इस अभियान से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों से भी चर्चा की। युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि रणनीति तैयार की जा रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, एक संघीय अधिकारी ने कहा कि मिनियापोलिस और सेंट पॉल (मिनेसोटा) में एक नया अभियान शुरू होने वाला है।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर 'समर्थ प्रदर्शन' कार्यक्रम, पात्र लोगों को मिला ट्राई साइकिल; बैसाखी और सहायक उपकरण

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। राजमाता चुन कुमारी स्टेडियम में दिव्यांग बच्चों और युवाओं ने खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया – राजमाता चुन कुमारी स्टेडियम में दिव्यांग बच्चों और युवाओं ने खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग जन दिवस के अवसर पर सोमवार को सिंगरौली जिला मुख्यालय बैढ़न स्थित राजमाता चुन कुमारी स्टेडियम में 'समर्थ प्रदर्शन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में दिव्यांग जन शामिल हुए।

कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों और युवाओं के लिए कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 100 मीटर दौड़ में मानसिक दिव्यांग सुशील कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, नेत्रहीन सुरेश कुमार ने भजन प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

दिव्यांग जनों को बांटे ट्राई साइकिल और बैसाखी: दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए मेडिकल स्टाफ मौके पर मौजूद था, जिन्होंने पात्र व्यक्तियों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र तत्काल तैयार किए। रेडक्रॉस के दिव्यांग पुनर्वास केंद्र ने आवश्यकतानुसार ट्राई साइकिल, बैसाखी और अन्य सहायक उपकरणों का वितरण किया।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह, सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष और जिला पंचायत की उपाध्यक्ष सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अधिकारियों और अतिथियों ने दिव्यांगजनों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें समाज का अभिन्न अंग बताया। दिव्यांगजनों और उनके परिजनों ने इस आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल उनका मनोबल बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश भी देते हैं।

विश्वविद्यालय की मांग को जिला अधिवक्ता संघ सीधी का समर्थन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में पिछले 5-6 वर्षों से चल रही विश्वविद्यालय स्थापना की मांग को अब जिला अधिवक्ता संघ का भी समर्थन मिल गया है। बुधवार को अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने छात्र-छात्राओं की इस लंबे समय से उठाई जा रही आवश्यकता को उचित बताते हुए कहा कि जिले में विश्वविद्यालय का न होना उच्च शिक्षा के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एड. बृजेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि संघ विश्वविद्यालय की स्थापना का पूर्ण समर्थन करता है, ताकि जिले में विधि शिक्षा सहित सभी विषयों में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध हो सके। वहीं छात्र संगठन की प्रतिनिधि ज्योति पटेल ने चेताया कि यदि विश्वविद्यालय की स्थापना जल्द नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष एड. यूनूस सिद्दीकी, पूर्व अध्यक्ष एड. चंद्रमोहन गुप्ता, तथा सतीश उरमालिया, जीवेंद्र द्विवेदी, विनोद वर्मा, रणविजय सिंह वर्मा, कामता प्रसाद नामदेव सहित कई अधिवक्ताओं ने अपनी बात रखकर समर्थन दिया। छात्र संगठन का नेतृत्व कर रहे शोध छात्र इंद्रलाल पटेल ने संघ का आभार व्यक्त किया। छात्र प्रतिनिधिमंडल अधिवक्ता संघ कार्यालय पहुँचकर समर्थन प्राप्त करने के दौरान उपस्थित रहा, जिसमें ज्योति पटेल, विनोद सिंह, मुस्कान द्विवेदी, सूरज सोनी, मनीषा पटेल, सुमित सहित कई छात्र-छात्राएं शामिल थीं।

बहरी पीएचसी में मरीज जनरल स्टोर से खरीद रहे मेडिसिन

डॉक्टर पर कमीशन लेकर बाहर से दवा लिखने का आरोप, अस्पताल में नहीं दे रहे दवाइयां

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के बहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें मरीज अस्पताल परिसर के ठीक बगल स्थित किराना दुकान के बाहर दवाइयां लेने के लिए कतार में खड़े दिख रहे हैं। आरोप है कि यह सब यहां पदस्थ डॉक्टर अमित वर्मा के इशारे पर हो रहा है, जिन्हें दवाइयों पर कमीशन मिलता है।

'खुशबू जनरल स्टोर' नाम की यह दुकान ऊपर से किराना दुकान दिखती है, लेकिन यह बिना लाइसेंस के दवाइयां बेच रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल में दवा उपलब्ध न होने की बात कहकर उन्हें जबरन इसी दुकान पर भेजा जाता है।

मरीज महंगी दवा खरीदने की मजबूर: कुकराव निवासी रानी कुशवाहा ने बताया कि अस्पताल में दवा न मिलने पर दुकानदार ने उन्हें महंगी दवा दी, लेकिन पैसे न होने के कारण वह खरीद नहीं सकीं। बदैला निवासी हीरालाल साकेत ने कहा कि बुखार होने पर वह सरकारी अस्पताल पहुंचे, पर डॉक्टर ने सीधे दुकान का नाम बताते हुए वहीं से दवा लेने को कहा।

कुशेड़ा निवासी बाल्मिक साकेत के अनुसार, वे दो दिन से अस्पताल के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें एक भी गोली नहीं मिली। जब मीडियाकर्मी जांच के लिए दुकान पहुंचे, तो संचालक गैरमौजूद मिला। वहां मौजूद कर्मचारी शिवराम सेन ने पहले दवा बेचने से इनकार किया, फिर स्वीकार किया कि 'दवाई मैं ही देता हूं।' वह न तो प्रशिक्षित है और न ही उसे दवाइयों की जानकारी है। मीडिया के सवालों से बचने के लिए डॉक्टर अमित वर्मा मौके से चुपचाप निकल गए।

सिहावल के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामभूषण पटेल ने इस मामले को गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना भेज दी गई है और दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी जनरल स्टोर को अस्पताल परिसर में दवा बेचने की अनुमति नहीं है।

जिला चिकित्सालय 13 मरीजों का नि :शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला चिकित्सालय सीधी में सोमवार को मोतियाबिंद के कुल 20 मरीज भर्ती किए गए थे। इनमें से 13 मरीजों का मंगलवार को निशुल्क ऑपरेशन किया गया तथा लैंस प्रत्यारोपित किए गए। यह सभी ऑपरेशन नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. लक्ष्मण पटेल एवं उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। मंगलवार को ऑपरेशन कराए गए मरीजों को अस्पताल प्रबंधन द्वारा नि:शुल्क दवाइयां एवं चश्मे भी प्रदान किए गए। वहीं बीपी एवं शुगर असंतुलित होने के कारण 7 मरीजों का ऑपरेशन नहीं हो सका। इन मरीजों का स्वास्थ्य नियंत्रण में आने पर गुरुवार को नि:शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। अस्पताल प्रशासन ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि जो भी मोतियाबिंद से परेशान हैं, वे सोमवार एवं बुधवार को जिला चिकित्सालय सीधी में भर्ती होकर नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन का लाभ उठाएँ।

महिला से रेप का आरोपी गिरफ्तार, खेत से लौटते समय हादसा; पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूला

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जैतपुर थाना क्षेत्र में एक महिला से रेप के आरोप में एक व्यक्ति को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया, जिसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस के अनुसार, घटना सोमवार शाम करीब 7 बजे हुई। पीड़िता (22) अपने खेत से काम खत्म कर पैदल घर लौट रही थी। सुनसान रास्ते पर आरोपी ने उसे देखा और पीछा किया।

महिला ने भागने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने उसे पीछे से पकड़ लिया। वह उसे पास के खेत में खींच ले गया और रेप किया। इस दौरान महिला मदद के लिए चीखती रही, लेकिन आसपास कोई मौजूद नहीं था। रेप के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

पीड़िता ने घटना के बाद शिकायत दर्ज कराई: पीड़िता रोते हुए घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद परिजनों के साथ जैतपुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई गई। महिला आरोपी को पहचानती नहीं थी, लेकिन उसके बताए विवरण के आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। जैतपुर थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि आरोपी बिंगु बैगा, निवासी रसमोहनी को गिरफ्तार किया गया है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को ढूंढ निकाला।

बच्चे को बिना एक्स-रे प्लास्टर बांधने का आरोप, झोलाछाप पर कार्रवाई की मांग

परिजनों बोले-प्लास्टर से बढ़ी सूजन-दर्द; काटने पर मिले फफोले

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सरई थाना क्षेत्र में एक झोलाछाप डॉक्टर पर 6 साल के बच्चे के इलाज में लापरवाही का आरोप लगा है। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने बिना एक्स-रे किए बच्चे के हाथ में प्लास्टर बांध दिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर करना पड़ा।

बच्चा घर पर खेलते समय गिर गया था: झारा गांव निवासी विमलावती साहू ने बताया कि 4 नवंबर को उनका बच्चा घर पर खेलते समय गिर गया था, जिससे उसके दाहिने हाथ में चोट आई और सूजन आ गई। इसके बाद वह बच्चे को झांझोपानी में इलाज कर रहे डॉक्टर रामनेश साहू के पास ले गईं।

बिना एक्स-रे प्लास्टर बांधने का आरोप: विमलावती के अनुसार, डॉक्टर ने बच्चे का एक्स-रे कराए बिना ही उसके हाथ में पक्का प्लास्टर बांध दिया। प्लास्टर बांधने के बाद बच्चे के हाथ में सूजन और दर्द बढ़ने लगा, जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई। जब महिला दोबारा डॉक्टर के पास पहुंची, तो उन्होंने प्लास्टर न खोलने की सलाह दी। हालांकि, बच्चे की हालत में सुधार नहीं हुआ। तीसरी बार पहुंचने पर डॉक्टर ने प्लास्टर किसी अन्य अस्पताल में कटवाने को कहा।

झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग: प्लास्टर काटने पर हाथ में फफोले पाए गए और डॉक्टरों ने बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। विमलावती साहू ने प्रशासन से मांग की है कि बिना योग्यता के इलाज कर रहे इस झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी पंकज सिंह ने बताया कि महिला शिकायत लेकर उनके पास आई थी। उन्होंने तुरंत बच्चे को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया, जहां उसका इलाज जारी है। साथ ही, स्वास्थ्य अमले को डॉक्टर की पूरी जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि डॉक्टर के पास मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं पाई जाती है, तो उसके खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया जाएगा।

अमलाई ओसीएम हादसे के 48 दिन बाद हुई कार्रवाई

सुरक्षा लापरवाही पर एसईसीएल-आरकेटीसी के 6 अधिकारी एफआईआर में नामजद

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। अमलाई ओसीएम हादसे के 48 दिन बाद धनपुरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बंद पड़ी खदान में टीपर ऑपरेटर अनिल कुशवाहा की खोज में असफल रहने और बढ़ते आक्रोश के बीच एसईसीएल और आरकेटीसी के छह अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह हादसा 11 अक्टूबर को हुआ था। अमलाई ओसीएम की बंद खदान के भीतर पानी से भरे गहरे गड्ढे में एक डोजर मशीन, टीपर ट्रक और टीपर ऑपरेटर अनिल कुशवाहा समा गए थे। हादसे के बाद कई कोशिशों के बावजूद न मशीनें मिलीं और न ही अनिल कुशवाहा का कोई सुराग। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल , भारतीय सेना और तकनीकी विशेषज्ञों ने कई सप्ताह तक बचाव अभियान चलाया, लेकिन भारी पानी, कीचड़ और गहराई के कारण सभी प्रयास विफल रहे। लगभग एक महीने पहले सभी एजेंसियां ऑपरेशन समाप्त कर लौट चुकी हैं। इस बीच, परिवार और मजदूर संगठनों ने लगातार सवाल उठाए थे कि खदान बंद होने के बावजूद वहां मशीनें कैसे चल रही थीं और सुरक्षा मानकों की निगरानी कौन कर रहा था। लंबी मांगों और दबाव के बाद पुलिस ने एफआईआर में छह अधिकारियों को आरोपी बनाया है।

इनमें एसईसीएल के माइनिंग सरदार अयोध्या पटेल, वरिष्ठ अधिकारी नीलकमल रजक, पैन इंजीनियर प्रभाकर सिंह, सुपरवाइजर मुनीश यादव और आरकेटीसी कंपनी के सुपरवाइजर संजय सिंह और एक अन्य अधिकारी शामिल हैं। इन अधिकारियों पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी, कार्यस्थल पर गंभीर लापरवाही और मजदूर के जीवन के अधिकार के उल्लंघन जैसी धाराएं लगाई गई हैं।

नशा-मुक्ति अभियान हुआ तेज, 1 लाख से अधिक नागरिकों को दिलाई जाएगी ई-शपथ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित नशा-मुक्ति कार्यक्रम को जिले में व्यापक जनसहभागिता के साथ प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। नशा-मुक्त समाज की दिशा में ठोस पहल करते हुए जिला प्रशासन ने आम नागरिकों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत सीधी के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा ने बताया कि अभियान के तहत जिले में 1 लाख से अधिक नागरिकों को नशा-मुक्ति ई-शपथ दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु सभी विभागों, शासकीय संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न समुदायों को सक्रिय रूप से इस अभियान से जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि जिले के अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएँ, स्वयंसेवी समूह, पंचायत प्रतिनिधि और आम नागरिककृसभी को ई-शपथ के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थी बेंगलुरु एक्सपोज़र विजिट हेतु रवाना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन तथा जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सीधी जिले के शासकीय हाई एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के विद्यार्थियों का दल आउट ऑफ स्टेट एक्सपोज़र विजिट कार्यक्रम के अंतर्गत बेंगलुरु भ्रमण हेतु रवाना हुआ। विद्यार्थी दल 01 दिसम्बर को वंदे भारत ट्रेन से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के लिए प्रस्थान किया, जिसके बाद 02 दिसम्बर को भोपाल से दूरंतो एक्सप्रेस द्वारा बेंगलुरु के लिए यात्रा आरंभ की गई।

एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार ने बताया कि इस विजिट का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उन्नत तकनीक, विज्ञान, अनुसंधान एवं नवाचार से जुड़े संस्थानों का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है। यात्रा के दौरान विद्यार्थी बेंगलुरु स्थित प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों, प्रतिष्ठित शैक्षणिक परिसरों, तकनीकी केंद्रों एवं महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करेंगे, जिससे उनके ज्ञान, दृष्टिकोण, अनुभव एवं सीखने की क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।

कार्यक्रमानुसार विद्यार्थी 05 दिसम्बर को राजधानी एक्सप्रेस द्वारा बेंगलुरु से प्रस्थान कर 06 दिसम्बर को भोपाल पहुँचेंगे। इसके बाद 08 दिसम्बर को सीधी लौटने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। पूरी यात्रा के दौरान विद्यार्थियों के साथ मार्गदर्शक शिक्षक के रूप में मॉडल स्कूल सीधी की अर्चना पांडे और बरमबाबा विद्यालय के बालेंदु शेखर दुबे सम्मिलित हैं।

एडीपीसी प्रवीण शुक्ला तथा चयनित विद्यालयों के प्राचार्यों ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इस शैक्षणिक यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दीं और आशा व्यक्त की कि यह अनुभव विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कलेक्टर ने अवैध धान परिवहन के प्रवेश की सख्ती

सीमावर्ती चेकपोस्टों पर कर्मचारी तैनात, बाहरी धान की खरीद पर पूर्ण प्रतिबंध

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्टर गौरव बैनल ने धान के अवैध परिवहन और उपार्जन पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। जिले के सभी सीमावर्ती मार्गों पर चेकपोस्टों पर कर्मचारियों की तैनाती की गई है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ से अवैध रूप से धान लाकर समर्थन मूल्य पर बेचने का प्रयास करने वालों पर पूर्णत: रोक लगाई जाएगी।

न चेकपोस्टों में बैढ़न से बीजपुर मार्ग पर बलसोता वन बैरियर, बैढ़न से सूरजपुर और बिहारपुर मार्ग पर झांझी बैरियर, बैढ़न से शक्तिनगर मार्ग पर जयंत एवं तेलगवां बैरियर, और मोरवा से अनपरा मार्ग पर खनहना बैरियर शामिल हैं। इन स्थानों पर वन विभाग और मंडी विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

अधिकारियों को चेकपोस्ट पर लगातार रहने की निर्देश: इसके अतिरिक्त, माड़ा से रामगढ़ (छत्तीसगढ़) स्थित बिंदूल बैरियर और चितरंगी से घोरावल मार्ग पर चितावल बैरियर पर भी टीमें लगाई गई हैं। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित चेकपोस्टों पर लगातार मौजूद रहें। उन्हें बाहरी राज्यों से आने वाले धान और मोटे अनाज के वाहनों की कड़ी निगरानी करने को कहा गया है। खाद्यान्न परिवहन से संबंधित प्रत्येक व्यक्ति और वाहन का विवरण रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। किसी भी संदेहास्पद या अवैध परिवहन की स्थिति में तत्काल संबंधित एसडीएम और पुलिस थाने को सूचित करने के आदेश दिए गए हैं। यह अभियान उपज खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और किसानों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इसका लक्ष्य अवैध कारोबार पर पूरी तरह से अंकुश लगाना है।

घुसपैठियों से हमदर्दी, जनहित याचिकाओं की आड़ में कैसे और किसके हित?

संपादकीय

स्पष्ट है कि घुसपैठियों का पता लगाने के साथ ही उनकी मदद करने वालों की भी पहचान करनी होगी। यह आसान काम नहीं, क्योंकि कुछ दलों के नेता संकीर्ण राजनीतिक कारणों से घुसपैठियों को शरण देने का काम करते हैं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्या घुसपैठियों को शरणार्थी मानने की मानसिकता पर प्रहार किया। उसे जनहित याचिकाओं के दुरुपयोग को भी रोकना होगा।जनहित याचिकाओं की आड़ में कैसे और किसके हित साधे जाते हैं, इसका पता उस याचिका से चलता है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट से पांच लापता रोहिंग्या घुसपैठियों का पता लगाने की मांग की गई। इस मांग पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार सुनने के बाद याचिकाकर्ता ने भले ही यह सफाई दी हो कि उनका इरादा यह सुनिश्चित करना है कि रोहिंग्याओं का प्रत्यर्पण तय प्रक्रिया के तहत किया जाए, लेकिन उन्होंने जिस तरह बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का सहारा लिया, उससे यह सहज ही समझा जा सकता है कि वे उन्हें शरणार्थी के रूप में भारत में रहने देने की सुविधा चाह रहे थे। यह याचिका यह भी बताती है कि कुछ लोग शरणार्थियों और घुसपैठियों के बीच का अंतर समझने के लिए तैयार नहीं। घुसपैठिए किसी भी देश से आए हों, वे नरमी के हकदार नहीं हो सकते और तब तो बिल्कुल भी नहीं, जब वे भारत की सीमाओं में प्रवेश करके छल-कपट से भारतीय नागरिक बनने की चेष्टा करते रहते हों। यह चेष्टा न केवल अवैध तरीके से भारत आए रोहिंग्या करते हैं, बल्कि बांग्लादेश के घुसपैठिए भी। अंततः ये सभी घुसपैठिए देश के संसाधनों पर बोझ ही बनते हैं। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि छल-कपट से भारतीय नागरिक बन गए बांग्लादेशी बंगाल और असम के कुछ इलाकों में चुनाव नतीजे प्रभावित करने में समर्थ हो गए हैं। यह खतरनाक स्थिति है।

यह पहली बार नहीं, जब अवैध रूप से घुस आए रोहिंग्याओं के प्रति हमदर्दी जताते हुए उन्हें राहत देने की अपेक्षा व्यक्त की गई हो। जब भी घुसपैठिए रोहिंग्याओं का पता लगाने और उन्हें निकाल बाहर करने की कोई पहल होती है, कुछ कथित मानवाधिकारवादी उनके बचाव में सामने आ जाते हैं। एक बार तो ऐसे लोगों ने यह फर्जी कहानी गढ़ी थी कि रोहिंग्याओं को समुद्र में फेंक दिया गया।

ऐसे ही लोग तब भी सक्रिय हो जाते हैं, जब बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर करने की कोई कोशिश होती है। इसका ही परिणाम है कि बांग्लादेश और म्यांमार से होने वाली घुसपैठ थम नहीं रही है। यह सामान्य बात नहीं कि बंगाल और पूर्वोत्तर की सीमा से घुसे रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिये ने जम्मू और हैदराबाद तक में अपने ठिकाने बना लिए हैं।

युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास अस्त्र से सशक्त करना भारत के भविष्य का को सशक्त करना है

किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर किसी भी देश की संपन्नता, सफलता, उच्चस्तरीय अर्थव्यवस्था और हर क्षेत्र में मज़बूत पकड़ रखने की नींव के पहियों में से एक सबसे मज़बूत और महत्वपूर्ण आधारस्तंभ शिक्षा व कौशलता विकास है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि शिक्षा और कौशलता विकास सफलता, संपन्नता सहित सभी क्षेत्रों की एक ऐसी चाबी है जिससे सफलता के द्वार खुलते हैं क्योंकि शिक्षा व कौशलता ग्रहण करने के बाद ही वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, अविष्कारक सहित नवोन्मेष, नवाचारों के प्रणेता बनने की और देश सेवा कर अपने देश के विकास करने का अवसर मिलता है। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो हम सभी जानते हैं कि भारत की 68 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है और भारत एक युवा देश है इसको ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति 2020 बनाई गई है जिसके आधार पर वर्तमान समय में शैक्षणिक नीतियां, रणनीतियां व रणनीतिक रोडमैप बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसका परिणाम हमें आने वाले कुछ वर्षों में विस्तृत स्तर पर दिखेगा, क्योंकि इस एनईपी - 2020 में युवाओं और प्रौढ़ शिक्षा के अनेक स्तरों पर रणनीतिक रोडमैप बनाने के द्वार खोले गए हैं,जिसका क्रियान्वयन उसीके अनुरूप करने की विशेष ज़रूरत है क्योंकि किसी भी रणनीतिक रोडमैप को उसके कार्यक्रम के अनुसार क्रियान्वयन किए जाए, तो सीमित संसाधनों से भी अनुकूल सबसे बड़ा सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है। साथियों बात अगर हम वर्तमान युग में युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास के अस्त्र से सशक्त करने की करें तो आज के नए डिजिटल भारत में युवा पीढ़ी देश के नेशन बिल्डर हैं।शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता के साथ युवाओं की क्षमता का विस्तार वैश्विक स्तर की उच्च शिक्षा के अनुरूप करने की ज़रूरत है जिससे हमारे भारत का भविष्य सशक्त होगा क्योंकि शिक्षा के मज़बूत अंतरराष्ट्रीय स्तर के ढांचे से निकलने के बाद हमारे युवा वैश्विक स्तरपर श्रेष्ठ वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, अविष्कारक की भूमिका में होंगे जिस पर देश में नवाचार, नवोन्मेष, डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष की क्रांति आएगी और हर स्तरपर हर क्षेत्र में हमारे युवा उस क्षेत्र के विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं देंगे तो हमारा विज़न 2047, विज़न 5 ट्रिलियन डॉलर,विज़न आत्मनिर्भर भारत के स्वप्नों को उसकी डेट लाइन से कहीं बहुत अधिक समय पहले हम पहुंचजाएंगे। बस, जरूरत है संकल्प, जांबाज़ी और ज़ज्बे से अपने शिक्षा व कौशलता के स्तर को अपने अनुरूप बनाने में जुट जाने की। साथियों बात अगर हम केंद्र और राज्य सरकार द्वारा होली के विभिन्न योजनाओं की करें तो करें तो शिक्षा, उन्नति और प्रोत्साहन के लिए अनेक द्वार खोले गए हैं उसके लिए बज़ट एलोकेशन भी किए गए हैं परंतु बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं है बजट को यदि ठीक से क्रियान्वित किया जाए तो सीमित संसाधनों से भी बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है!बस,जरूरत है हमें कुछ कर गुजरने के संकल्प लेने की साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा शिक्षा और कौशलता विकास क्षेत्रों पर केंद्रीय बजट 2025 के सकारात्मक प्रभाव पर एक वेबीनार को संबोधन करने की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने बजट 2025 में शामिल पांच पहलुओं पर विस्तार से बताया। सबसे पहले, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को व्यापक बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं यानी शिक्षा क्षेत्र की बढ़ी हुई क्षमताओं के साथ बेहतर गुणवत्ता के साथ शिक्षा का विस्तार करना। दूसरा, कौशल विकास पर जोर दिया गया है। एक डिजिटल कौशल इको-सिस्टम बनाने, उद्योग की मांग के अनुसार कौशल विकास और बेहतर उद्योग संपर्क बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। तीसरा, भारत के प्राचीन अनुभव तथा शहरी तथा योजना एवं डिजाइनिंग के ज्ञान को शिक्षा में शामिल करना महत्वपूर्ण है। चौथा, अंतर्राष्ट्रीयकरण पर बल दिया गया है। इसमें विश्व स्तर के विदेशी विश्वविद्यालयों का आगमन और गिफ्ट सिटी के संस्थानों को फिनटेक से संबंधित संस्थान सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। पांचवां, एनिमेशन विजुअल इफेक्ट्स गेमिंग कॉमिक (एवीजीवी) पर ध्यान केंद्रित करना, जहां रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और जो एक बड़ा वैश्विक बाजार है। उन्होंने कहा, इस बजट से राष्ट्रीय शिक्षा नीति को साकार करने में काफी मदद मिलेगी।उन्होंने राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में युवा पीढ़ी के महत्व पर जोर देते हुए संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा,हमारी आज की युवा पीढ़ी, देश के भविष्य की कर्णधार है, वही भविष्य के नेशन बिल्डर्स हैं। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को एंपावरिंग करने का मतलब है, भारत के भविष्य को एंपावर करना। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर भारत के लिए वैश्विक प्रतिभा की मांग के दृष्टिकोण से गतिशील कौशल महत्वपूर्ण है। उन्होंने रोजगार की बदलती भूमिकओं की मांगों के अनुसार देश के जनसांख्यिकीय लाभांश को तैयार करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसी सोच को ध्यान में रखते हुए बजट में स्किलिंग एंड लाइवलीहुड और ई-स्किलिंग लैब के लिए डिजिटल इको-सिस्टम की घोषणा की गई थी।

समाज की सबसे खतरनाक एवं पवित्र रिश्तो को निगलने और भस्म करने वाली दहेज दावानल की आग सभ्य समाज पर कलंक समान

कांतिलाल

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इसी सामाजिक सच्चाई पर तल्ख टिप्पणी की, जिसने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोर दिया है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने स्पष्ट कहा कि कोर्ट इस कड़वी हकीकत से मुंह नहीं मोड़ सकती कि दहेज की मांग और उससे उपजे अत्याचार आज भी भयावह रूप में मौजूद हैं। कोर्ट के शब्दों में दहेज की लालच में विवाह को व्यवसायिक लेनदेन बना दिया गया है, उपहारों के नाम पर लालच की दुकानें सजाई जा रही हैं और बेटियों की बोली तक लगाई जा रही है। यह टिप्पणी केवल न्यायिक आकलन नहीं, बल्कि समाज की विवेकहीनता पर एक कटु लेकिन आवश्यक प्रहार है।देश में प्रतिदिन दर्जनों युवतियाँ दहेज की मांग के कारण प्रताड़ित होती

हैं। कई बेटियाँ जलाकर मार दी जाती हैं या अंतहीन यातनाओं से टूटकर आत्महत्या कर लेती हैं। हर बार ऐसे मामलों में परिवार बिखरते हैं, माताएँ-पिताएँ जिंदगी भर अपने सीने में जलती राख लेकर जीते हैं और समाज एक बार फिर चुपचाप दहेज की धधकती आग में अपनी बेटियों को खो देता है। यह केवल अपराध नहीं, बल्कि मनुष्यता की हत्या है।एक ऐसी हत्या, जिसके पीछे छिपे लालच को लोग उत्सव, परंपरा और प्रतिष्ठा का आवरण पहना देते हैं। सुप्रीम कोर्ट में जिस मामले की सुनवाई के दौरान यह सख्त टिप्पणी की गई, वह समाज के इस नैतिक पतन का वीभत्स उदाहरण है। एक पति पर अपनी पत्नी को जहर देकर मारने का आरोप था। हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी, जबकि मृतका का पुख्ता बयान उपलब्ध था और पूरा मामला दहेज हत्या की परिभाषा में स्पष्ट रूप से आता था। सुप्रीम कोर्ट ने इस जमानत आदेश को अव्यवहारिक और कानूनी दृष्टि से त्रुटिपूर्ण बताते हुए तत्काल रद्द कर दिया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि ऐसे अपराधों में कठोर दृष्टिकोण ही समाज को संदेश दे सकता है। क्योंकि दहेज हत्या सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि कुप्रथा की सबसे घिनौनी और अमानवीय परिणति है।जहाँ एक युवती का जीवन सिर्फ इसलिए समाप्त कर दिया जाता है कि वह पति या ससुराल वालों की बढ़ती मांगें पूरी नहीं कर सकी। दहेज को अक्सर स्वेच्छा से दिए जाने वाले उपहारों का नाम देकर छिपाने की कोशिश की जाती है। लेकिन सच यह है कि ये उपहार कभी स्वेच्छा के नहीं होते, सामाजिक दबाव और भौतिक लालच के बनाए बंधन होते हैं। समाज की इस दिखावटी परंपरा ने धीरे-धीरे इतना विकराल रूप ले लिया है कि विवाह अब संस्कार कम और लेनदेन का सौदा अधिक दिखने लगा है। नववधू और उसके परिवार की आर्थिक स्थिति का आकलन शादी से पहले ही शुरू हो जाता है। रिश्ते पर विचार करने का आधार गुण-व्यवहार नहीं, बल्कि आर्थिक क्षमता और दहेज की संभावना बन जाता है। यह विडम्बना केवल हमारे सामाजिक पतन का प्रमाण नहीं, बल्कि हमारी भावनात्मक दिवालियापन की घोषणा है। दहेज व्यवस्था की सबसे भयावह सच्चाई यह है कि यह अपराध अक्सर परिवार की चारदीवारी में होता है, जहाँ पीड़िता की चीखें समाज तक पहुँच ही नहीं पातीं। न्याय के लिए लड़ना भी सहज नहीं होता। पीड़िता के बयान को कई बार परिवार का मामला कहकर हल्का सिद्ध करने का प्रयास होता है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सामाजिक चेतना को नए सिरे से झकझोरने वाली है। अदालत ने यह भी कहा कि दहेज हत्या के मामलों में अक्सर मृतका के अंतिम बयान को निर्णायक माना जाता है, लेकिन कई बार जमानत या जांच के दौरान इस कानूनी धारणा को नज़रअंदाज कर दिया जाता है, जिससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता है।दहेज प्रथा की जड़ें सदियों पुरानी हैं, लेकिन इसका आधुनिक रूप और भी खतरनाक होता जा रहा है।

उपभोक्तावाद और सामाजिक दिखावे ने मिलकर इसे और अधिक भड़काया है। शादी में खर्च, कपड़े-गहनों की प्रदर्शनी, रस्मों का दिखावा, और उपहारों की प्रतिस्पर्धा ने दहेज को एक अनिवार्य सामाजिक दबाव में बदल दिया है। कई परिवार अपने सामर्थ्य से अधिक खर्च करने को मजबूर हो जाते हैं। परिणामस्वरूप कर्ज, मानसिक तनाव और सामाजिक अपमान जैसी स्थितियाँ पैदा होती हैं।

भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा: पीएम मोदी की कूटनीति ने खोले नए क्षितिज

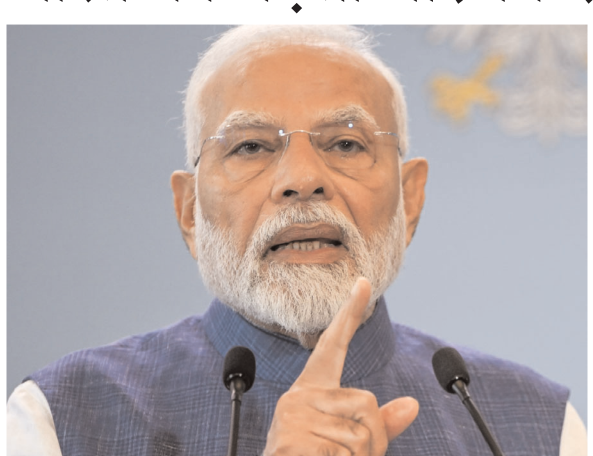

संदीप द्विवेदी
संपादक दैनिक मीडिया ऑडीटर

भारत इन दिनों उस परिवर्तन-यात्रा से गुजर रहा है, जिसकी कल्पना दशकों तक केवल काग़ज़ों और भाषणों में दिखाई देती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में स्थिति बदली है और बदली भी ऐसी कि देश का नाम अब सिर्फ अपने भूगोल तक सीमित नहीं रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति और कूटनीतिक सक्रियता ने भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक नई पहचान दी है। आज भारत वैश्विक चर्चाओं का श्रोता भर नहीं, बल्कि मुख्य वक्ता के रूप में उभर रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश यात्राओं, द्विपक्षीय बैठकों और बहुपक्षीय शिखर सम्मेलनों की संख्या और प्रभाव में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह केवल यात्राओं के आंकड़े भर नहीं, बल्कि उन यात्राओं के परिणाम हैं जो भारत की नई ताकत को परिभाषित करते हैं। विदेशों में बसे भारतीय समुदायों को सम्मान दिलाने से लेकर देशों के बीच नई रणनीतिक साझेदारियों का निर्माण इन कदमों ने भारत को एक जिम्मेदार, सक्षम और निर्णायक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। वैश्विक मंचों पर भारत की दृढ़ आवाज़ आज पहले से अधिक प्रभावशाली है। चाहे ळ20 की अध्यक्षता हो, ब्रिक्स और SCO जैसे महत्वपूर्ण समूहों में नेतृत्वकारी भूमिका, या संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को ताकत देना—भारत ने कई मोर्चों पर अपनी दिशा और दृष्टि दोनों को स्पष्ट किया है। यह भूमिका केवल औपचारिक नहीं, बल्कि परिणामकारी भी है।

विदेश नीति के साथ-साथ आर्थिक कूटनीति भी भारत की शक्ति का प्रमुख आधार बनी है। विश्व अर्थव्यवस्था में आए अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने स्थिर विकास दर और निवेशकों के लिए सुरक्षित माहौल का संदेश दिया। यही कारण है कि टेक्नोलॉजी, रक्षा, ऊर्जा, अवसंरचना और स्टार्टअप सेक्टर में वैश्विक कंपनियों ने भारत को अपने प्रमुख साझेदारों में शुमार किया है। कई दशक पुराने समझौते, जो धूल फांक रहे थे, अब नई ऊर्जा के साथ पुनर्जीवित हो रहे हैं। डिजिटल इंडिया, मेक-इन-इंडिया, ग्रीन एनर्जी मिशन, अंतरिक्ष अनुसंधान और रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता जैसे अभियानों ने विदेशी कंपनियों और देशों को भारत के साथ साझेदारी के लिए आकर्षित किया है। दुनिया यह मानने लगी है कि भारत केवल बड़ा बाज़ार ही नहीं, बल्कि संभावनाओं का उभरता नेतृत्वकर्ता भी है। एक अन्य बड़ा पहलू है भारतीय समुदाय डायस्पोरा कूटनीति। प्रधानमंत्री के विदेश दौरों पर भारतीय समुदाय का उत्साह सिर्फ भावनात्मक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की सॉफ्ट पॉवर का दृश्य प्रदर्शन है। यह संदेश दुनिया ने साफ देखा कि भारत के नागरिक जहाँ भी हैं, अपने देश के साथ मजबूत भावनात्मक और विकासात्मक जुड़ाव रखते हैं। इससे दुनिया के देशों में भारत के प्रति विश्वास बढ़ा है। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की साझेदारियाँ पहले से अधिक विस्तृत और मजबूत हुई हैं। कई देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा तकनीक में सहयोग और सीमा सुरक्षा के नए आयामों ने भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के निर्णायक देशों की सूची में ला खड़ा किया है। यही कारण है कि भारत अब सुरक्षा-संवादों में केवल सहभागी नहीं, बल्कि निर्णय-साझेदार की भूमिका निभा रहा है। पर्यावरण और वैश्विक चुनौतियों पर भारत का रुख भी दुनिया के लिए प्रेरक बना है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसी पहलें बताती हैं कि भारत केवल अपनी प्रगति की बात नहीं करता, बल्कि समूचे विश्व के भविष्य पर भी ध्यान देता है। जलवायु संकट के समाधान में योगदान देने वाली नीतियाँ भारत की विश्वसनीयता बढ़ा रही हैं। समग्र रूप से देखा जाए तो पीएम मोदी की विदेश नीति ने भारत को एक आत्मविश्वासी, साहसी और दूरदर्शी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। दशकों का अंतरराष्ट्रीय ठहराव अब गति में बदल चुका है।

देश नई ऊँचाइयों को छू रहा है और दुनिया में भारत की पहचान पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। यह बदलते भारत की वह छवि है, जो आने वाले वर्षों में और भी विस्तृत होने वाली है और भारत की कहानी वैश्विक मंचों पर उसी आत्मविश्वास के साथ आगे लिखी जाएगी।

यह है देश में चल रही स्पेशल रेल गाड़ियों के संचालन की सच्चाई

तनवीर जाफ़री

गत दिनों अपने किसी निजी कार्यवश अचानक बिहार जाने का कार्यक्रम बन गया। प्रायः शहीद या सरयू यमुना एक्सप्रेस से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मेरा दरभंगा आना जाना होता है परन्तु इस बार चूँकि मात्र एक सप्ताह पूर्व ही दरभंगा जाने की तिथि निर्धारित हुई इसलिये शहीद या सरयू यमुना एक्सप्रेस में आरक्षण न मिल पाने के चलते आने जाने हेतु अन्य विकल्प तलाश करने पड़े। ऐसे ही वैकल्पिक ट्रेन थी अमृतसर - जयनगर स्पेशल ट्रेन यानी 04652 । इस ट्रेन के अमृतसर से अंबाला पहुंचने का निर्धारित समय दोपहर 2 बजकर 50 मिनट था और दरभंगा पहुंचने का निर्धारित समय अगले दिन शाम 5.30 बजे था। अर्थात पूरी यात्रा लगभग 26 घंटे 30 में तय होनी थी। परन्तु यह ट्रेन अगले दिन शाम 5.30 बजे दरभंगा पहुँचने के बजाये तीसरे दिन सुबह लगभग 8.30 बजे पहुंची। यानी यह स्पेशल ट्रेन 04652 लगभग 15 घंटे की देरी से दरभंगा पहुंची। इतना ही नहीं जहाँ दूसरी मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स का अंबाला-दरभंगा का ए सी थ्री का किराया लगभग 1500 रुपये है वहीं इस तथाकथित स्पेशल ट्रेन के नाम पर यात्रियों से किराया भी क़रीब 2000 / रूपये वसूल किये गये।

इसी तरह वापसी के लिये भी जिस ट्रेन में ए सी थ्री श्रेणी में आरक्षण मिल सका वह भी दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन 02569 थी। इसका भी दरभंगा से छूटने का निर्धारित समय सुबह 6 बजकर 30 मिनट था परन्तु यह वहां से प्रातः 9 बजकर 40 मिनट पर यानी तीन घंटा दस मिंट के विलंब से रवाना हुई। और अपने निर्धारित समय यानी अगले दिन सुबह 4 बजे नई दिल्ली पहुँचने वाली यह स्पेशल ट्रेन लगभग 1. 30 बजे दोपहर अर्थात क़रीब दस घंटे की देरी से नई दिल्ली स्टेशन पहुँच सकी। इसका भी ए सी थ्री श्रेणी का किराया 1900 रूपये था जबकि अन्य सामान्य मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स में 1500 के आस पास होता है।

इस लेट लतीफ़ी के परिणाम स्वरूप कितने यात्रियों को किन किन परेशानियों का सामना करना पड़ा रेल विभाग को इससे कोई लेना देना नहीं।

पुलिस की अमानवीयता से दफन होता न्याय!

राजस्थान के जोधपुर के कुड़ी पुलिस थाने में एक अधिवक्ता के साथ दुर्व्यवहार का मामला इन दिनों चर्चाओं में है। थाने में वकील से धक्का-मूक्की करने वाले थानाध्यक्ष को सस्पेंड कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने कहा- पब्लिक से कैसे पेश आएं, इसके लिए पूलिसकर्मियों को ट्रेनिंग दी जाए, कोर्ट ने सोशल मीडिया पर वीडियो देखने के बाद पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश को जमकर फटकार लगाई है। जोधपुर पुलिस कमिश्वर और सरकार को हिदायत दी कि सभी पुलिसकर्मियों को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग दी जाए।

श्रीगोपाल नारसन

यानि किससे किस तरीके से बात करनी चाहिए, कैसे लोगों से पेश आना चाहिए, यह पुलिस को आना चाहिए। पुलिस कमिश्नर ने कोर्ट में कहा कि इस मामले की आईपीएस स्तर के अधिकारी से जांच करवाई जा रही है। फिलहाल थानाध्यक्ष को सस्पेंड करके अन्य जो भी दोषी हैं, उन्हें भी थाने से हटाया जा रहा है। अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी, साथ ही पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जांच रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। आरोप है कि जोधपुर के कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड थाने के थानाध्यक्ष हमीर सिह और अन्य पुलिस कर्मियों ने वकील भरतसिह के साथ धक्का-मुक्की की और उनका कोट तक फाड़ डाला। थानाध्यक्ष ने बोला था कि तुम्हारी एक पल में वकालत निकाल देंगे और धारा 151 के अंतर्गत अंदर डाल देंगे। ये मामला उन्होंने कैमरे में कैद कर लिया और हाईकोर्ट में पेश कर दिया। हाइकोर्ट ने कहा कि अधिवक्ताओं के साथ बिना वजह मार पीट और धक्का मुक्की बर्दास्त नहीं की जाएगी। उनको पुलिस से भी पूछताछ करने का अधिकार होता है। क्योंकि वो किसी को न्याय दिलवाने का काम कर रहे होते है। वही उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल जनपद के चम्बा थाना क्षेत्र में कवरेज करने पहुंची एक महिला पत्रकार के साथ थाने में दरोगा ने न केवल अभद्र व्यवहार किया, बल्कि

उनका कैमरा भी जबरन बंद कर दिया। आरोप है कि दरोगा रवि कुमार ने झपटा मारकर पत्रकार का कैमरा यह कहकर बंद कर दिया कि – ÷तुम वीडियो बनाने वाली होती कौन हो?÷

घटना के दौरान थाने में महिला कांस्टेबल मौजूद थी, लेकिन दरोगा ने नियमों की अनदेखी करते हुए खुद महिला पत्रकार से अपमानजनक व्यवहार किया। यह घटना उस समय हुई, जब पत्रकार दो पक्षों के बीच हुए विवाद की कवरेज करने थाने पहुंची थीं। चम्बा पुलिस पर मामले को एकतरफा तरीके से निपटाने और एक निर्दोष व्यक्ति के साथ मारपीट करने के आरोप लगे हैं। इसी विषय पर कवरेज करने गई महिला पत्रकार से दरोगा रवि कुमार ने पहले कैमरा बंद करने को कहा और फिर अभद्र व्यवहार किया।

जब महिला पत्रकार ने इस घटना की शिकायत दर्ज करानी चाही, तो थानेदार ने रिपोर्ट दर्ज करने से इंकार कर दिया। इससे यह सवाल उठता है कि आखिर पुलिस पत्रकार की रिपोर्ट दर्ज करने से क्यों बच रही है और कैमरा बंद करवाने की कोशिश क्यों की गई? दरोगा को प्रेस की स्वतंत्रता का उलंघन का अधिकार किसने दिया?

इस पूरे घटनाक्रम ने टिहरी पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उत्तराखंड में पुलिस का ÷मित्रता, सेवा और सुरक्षा÷ का नारा सिर्फ एक दिखावा बनकर रह जाएगा। इसी तरह विशुनपुर जीवनारायण गांव में मारपीट मामले की जांच करने पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ जमकर दुर्व्यवहार किया। इससे आक्रोशित करीब दो दर्जन से अधिक लोगों ने थाने का घेराव कर हंगामा किया। उनलोगों का कहना था कि जांच के लिए पहुंची पुलिस ने महिला, बुजुर्ग और अन्य लोगो के साथ गाली-गलौज की। ग्रामीणों ने केस के आईओ अंकित कुमार के खिलाफ थाना में शिकायत की है। ग्रामीण सुरेंद्र सिंह, नीरज कुमार, बंसत सिंह, रंजन कुमार, शिवशंकर राय, श्याम कुमार सिंह, राजू कुमार सिंह आदि ने बताया कि विवेचना अधिकारी के साथ आई पुलिस ने लोगों का नाम पूछने के साथ ही गाली-गलौज करने लगी।नेशनल रजिस्ट्री ऑफ़ एक्सोनरेशन्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार , सन 1989 से अब तक लगभग 37 प्रतिशत मामलों में पुलिस अधिकारियों ने आम लोगो के साथ कदाचार किया है। जब इस तरह के दुर्व्यवहार और कदाचार पर अंकुश नहीं लगाया जाता है, तो इससे न केवल गलत दोषसिद्धि होती है, बल्कि बेवजह जानमाल का नुकसान भी होता है। पुलिस अनुशासनात्मक रिकॉर्ड वर्तमान में 21 राज्यों में गोपनीय हैं। इन रिकॉर्डों को जनता से छिपाए रखने से दो प्रमुख तरीकों से गलत दोषसिद्धि को बढ़ावा मिलता है। पहला, इन रिकॉर्डों की गोपनीयता के कारण अधिकारियों के खिलाफ शिकायतों और आरोपों के निपटारे पर सार्वजनिक या बाहरी निगरानी रखना मुश्किल हो जाता है। इस पारदर्शिता के बिना, कानून प्रवर्तन के आंतरिक मामलों के विभाग अवैध और अनैतिक व्यवहार के लिए अधिकारियों को अनुशासित करने से बच सकते हैं, जिसका अर्थ है कि इन हानिकारक व्यवहारों को सुधारा नहीं जा सकेगा। और, चूँकि अधिकारियों को पिछले गलत कामों के लिए जवाबदेह नहीं ठहराया जा रहा है, इसलिए वे भविष्य में भी कदाचार करते रह सकते हैं।यातना के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान' नामक एक गैर-सरकारी संस्था की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019 में 125 व्यक्तियों की 124 केसों में पुलिस हिरासत में मौत हुई है।अधिकतर अदालतों द्वारा भी मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस अत्याचारों के आरोपों का नोटिस लिया जाता है। अब सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन.वी. रमन्ना का बयान भी सामने आया है जिनका कहना है कि पुलिस थानों में न तो मानवीय अधिकार सुरक्षित हैं और न ही शारीरिक तौर पर कोई व्यक्ति सुरक्षित रह सकता है।सुप्रीमकोर्ट की टिप्पणी थी कि पुलिस थानों में किसी मुजरिम की पिटाई से समाज में डर की भावना पैदा होती है और पुलिस द्वारा ऐसा अत्याचार किसी भी तरह माफी योग्य नहीं है। पुलिस हिरासत में मौत के अन्य कारण भी हो सकते हैं जैसे कि बुढ़ापा, कोई पुरानी बीमारी, डाक्टरी सुविधाओं की कमी, जेल में अवांछित भीड़ मगर पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार की कमी, उनकी जवाबदेही का न होना, फोरैंसिक तकनीक का सही इस्तेमाल न करना भी इस अत्याचार के मुख्य कारण हैं। पुलिस अत्याचार समाज में सहम पैदा करता है। कई बार निर्दोष भी पुलिस अत्याचार के डर से कसूर स्वीकार कर लेते हैं जिस कारण असल दोषी बच निकलते हैं और उनको अन्य जुर्म करने का बढ़ावा मिलता है। जो कि चिंताजनक है।

अवैध धान विक्रय कर शासन को लगभग तीन लाख की आर्थिक क्षति पहुँचाने का प्रयास, कोचिया समिति से गिरफ्तार

प्रशासन हुआ सख्त- पंचनामा तैयार कर आगे कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी

शासन को लगभग 3,00,000 रूपये की आर्थिक क्षति पहुंचाने का प्रयास

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की धान उपार्जन केन्द्र नागपुर में अवैध धान विक्रय के संगठित प्रयास का एक बड़ा मामला उजागर हुआ है। राजस्व अमले की सतर्कता और समय पर की गई कार्रवाई से शासन को लगभग तीन लाख रुपये की संभावित आर्थिक क्षति से बचा लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 दिसंबर को दोपहर 2 बजे हल्का पटवारी नागपुर के साथ आगामी दिवस के लिए कटे हुए टोकनों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा था।

इसी दौरान ग्राम लाई निवासी सोहन पिता रामसिंह से पूछताछ में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए। सोहन ने बताया कि उसके खेत में केवल धान बीज का छिड़काव हुआ था, बोवाई, रोपाई और कटाई नहीं की गई थी, बावजूद इसके नागपुर निवासी संदीप जायसवाल उसके पास आया और कहा कि जब वह बुलाए तो सोहन समिति में आकर खड़ा हो जाए। इसके बदले संदीप ने उसे पैसे देने का लालच दिया और उसका बैंक पासबुक व एटीएम ले गया। यह संकेत साफ थे कि किसी बड़े अवैध धान विक्रय की तैयारी की जा रही है।

रंगे हाथों पकड़ा गया अवैध धान का खेलः सूचना की गंभीरता को देखते हुए 02 दिसंबर को सोहन को समझाइश देकर संदीप द्वारा बताई गई प्रक्रिया को वैसा ही करने की सलाह दी गई ताकि पूरे रैकेट को रंगे हाथों पकड़ा जा सके। योजना के अनुसार संदीप द्वारा आज सुबह लगभग 10 बजे पहली ट्रिप में 124 बोरी यानी 49.80 क्विंटल धान समिति में उतारा गया।

इसके बाद शाम 3 बजे दूसरी ट्रिप में करीब 120 बोरी अर्थात 47.20 क्विंटल धान सोनालिका ट्रैक्टर (नीला रंग) में लाकर समिति में खपाने की कोशिश की गई। यह धान संदीप जायसवाल के नागपुर बस्ती स्थित घर से लोड कर लाया गया था। मौके पर पहुंची टीम ने तथ्यों की पुष्टि की और पाया कि कुल 96.80 क्विंटल धान सोहन के खाते के नाम पर अवैध रूप से विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा था, जबकि सोहन के खेत से धान उत्पादन हुआ ही नहीं था।

शासन को भारी नुकसान से बचाया, आरोपी पर गिरी कार्रवाई की गाजः मौके पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पहली ट्रिप के 124 बोरी धान को समिति में जप्त कर समिति प्रभारी को सुपुर्द किया गया, जबकि दूसरी ट्रिप के लगभग 120 बोरी धान सहित सोनालिका ट्रैक्टर को थाना सुपुर्द कर दिया गया।

जांच में यह स्पष्ट हुआ कि संदीप जायसवाल पिता राधेश्याम जायसवाल द्वारा कृषक सोहन के खाते में अवैध धान चढ़ाकर शासन को लगभग 3,00,080 रूपये की आर्थिक क्षति पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था। पूरे प्रकरण का विस्तृत पंचनामा तैयार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर दिया गया है।

यह कार्रवाई न केवल प्रशासन की सतर्कता का प्रमाण है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि धान खरीदी प्रणाली में किसी भी प्रकार की हेराफेरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कांग्रेस की एफआईआर बैठक में जीपीएम कार्यकर्ताओं का विरोध, जिला अध्यक्ष की नियुक्ति पर नारेबाजी; दीपक बैज ने की चर्चा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मंगलवार रात कांग्रेस की एफआईआर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल शामिल हुए। शीर्ष नेताओं ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर स्ह्रक्र के फॉर्म भरने और दावा-आपत्ति के समय आम जनता की मदद करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से आए नाराज कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने बैठक स्थल के बाहर नारेबाजी शुरू कर दी। पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने उन्हें शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ता नहीं माने और लगातार नारेबाजी करते रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष से चर्चा और समाधान का आश्वासनः कार्यकर्ताओं का आरोप था कि जीपीएम जिले में जिला अध्यक्ष की नियुक्ति उनकी भावनाओं के खिलाफ की गई है, जिससे वे सभी नाराज हैं। नाराजगी बढ़ती देख प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज बाहर आए और सभी कार्यकर्ताओं से बंद कमरे में बात की। चर्चा के बाद कार्यकर्ताओं ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी इस संबंध में बात हुई है। दीपक बैज ने इसे कांग्रेस परिवार का आंतरिक मामला बताते हुए जल्द सुलझाने का आश्वासन दिया।

कानून व्यवस्था सरकार से संभलने वाली नहीं- बैजः दीपक बैज ने प्रदेश सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है और कानून व्यवस्था सरकार से संभलने वाली नहीं है। उन्होंने दावा किया कि तीन साल बाद जनता इस सरकार को 'तीर्थ यात्रा' पर रवाना कर देगी। बैज ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री के ऊपर 'सुपर सीएम' और उसके ऊपर 'डुपर सीएम' हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री बदले या न बदले, सरकार जरूर बदल जाएगी। भूपेश बघेल के रजिस्ट्री वाले बयान पर उन्होंने कहा कि सरकार में बड़ा 'खेल' होने वाला है और दो नंबर के पैसे को एक नंबर में किया जा रहा है।

बंजी शा. हाई स्कूल में डिजिटल हिंसा को लेकर साइबर सुरक्षा तक छात्राओं को किया गया सशक्त, महिला सशक्तीकरण केंद्र ने दी प्रभावी प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित महिला सशक्तीकरण केंद्र हब के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत 16 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। इसी कड़ी में शासकीय हाई स्कूल बंजी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व जिला समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को लिंग आधारित हिंसा, डिजिटल हिंसा तथा लैंगिक भेदभाव से होने वाले दुष्प्रभावों से सजग करना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना रहा। कार्यक्रम में छात्राओं को बताया गया कि समाज में लिंग के आधार पर होने वाली हिंसा एक गंभीर समस्या है, जो न केवल बालिकाओं के मानसिक और शारीरिक विकास को प्रभावित करती है, बल्कि उनके अवसरों और भविष्य को भी सीमित करती है। छात्राओं को डिजिटल सुरक्षा, सोशल मीडिया पर बढ़ते अपराध, साइबर बुलिंग तथा ऑनलाइन उत्पीड़न से बचने की आवश्यक जानकारी देते हुए 1930 जैसे हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही 181 महिला हेल्पलाइन और 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन के महत्व से छात्राओं को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं के अधिकार, समान अवसर, सामाजिक भेदभाव के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों आयामों पर चर्चा की गई। वीरांगनाओं के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया और बताया गया कि शिक्षा, आत्मविश्वास और जागरूकता ही उन्हें हर बाधा से लड़ने की शक्ति प्रदान करती है।

सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर और मजबूत, नवंबर में 577 मरीजों को मिला गुणवत्तापूर्ण उपचार

एमसीबी। क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर हो रहे सुधार का सकारात्मक प्रभाव अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। 220 बिस्तर क्षमता वाले सिविल चिकित्सालय मनेंद्रगढ़ ने नवंबर माह में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करते हुए कुल 577 मरीजों का सफलतापूर्वक उपचार किया। यह उपलब्धि अस्पताल की कार्यक्षमता तथा स्थानीय नागरिकों के बढ़ते भरोसे का प्रतीक है। स्वास्थ्य सुविधाओं में यह उल्लेखनीय प्रगति स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के सतत प्रयासों, संवेदनशील नेतृत्व और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता का परिणाम मानी जा रही है।

युवा शक्ति और सांस्कृतिक उत्साह का महोत्सव- 5 दिसंबर को झगराखांड़ में होगा जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले में कला, संस्कृति और युवा ऊर्जा का संगम एक बार फिर देखने को मिलेगा। युवाओं की प्रतिभा को मंच देने और उन्हें सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025 का आयोजन 05 दिसंबर को अम्बेडकर भवन झगराखांड़ एवं शासकीय हाई स्कूल झगराखांड़ में प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। यह युवा उत्सव न केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंच होगा, बल्कि यह युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम में इस वर्ष विविध विधाओं को शामिल किया गया है, जिनमें लोक नृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा, करमा नृत्य, सुआ नृत्य, लोकगीत, वाद-विवाद, नवाचार, कविता लेखन, कहानी लेखन, एकांकी, चित्रकला, पारंपरिक वेशभूषा और रॉक बैंड प्रदर्शन प्रमुख हैं। युवा उत्सव दो आयु वर्गों में आयोजित होगा, जिसमें 15 से 29 वर्ष तक के प्रतिभागी तथा 18 से 40 वर्ष तक के संगीतकार भाग ले सकेंगे। इस आयोजन में जिले के सभी इच्छुक युवा भाग ले सकते हैं, लेकिन इसके लिए पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य है। प्रतियोगिता में शामिल होने के इच्छुक प्रतिभागियों को 04 दिसंबर 2025 तक पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। पंजीयन संबंधी सहायता के लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर अधिकृत अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। उनमें जिला स्तर पर पूरन कुमार कश्यप (जिला संपर्क नोडल अधिकारी, मोबाइल क्रमांकः 9977677177) तथा विकासखंड स्तर पर खड़गवां में संजीव डे (मो. 7999789818), भरतपुर में अनिल राजवाड़े (मो. 9165246695) और मनेंद्रगढ़ में शिव कुमार चौधरी (मो. 8109590904) से संपर्क किया जा सकता है। इस आयोजन की शोभा बढ़ाने के लिए जिले के अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल होंगे। उनके साथ विधायक रेणुका सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह, नगरपालिका, नगर पंचायतों एवं जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, महापौर एवं अन्य जनप्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह युवा उत्सव केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि युवाओं के सपनों, हुनर और ऊर्जा का उत्सव है। यह वह अवसर है जहां परंपराएं जीवित होती हैं, प्रतिभाएं उभरती हैं और युवा अपने भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हैं। 5 दिसंबर को झगराखांड़ का मंच युवाओं की आवाज़, ताल, लय और जोश से गुंजायमान होगा – और जिले की नई प्रतिभाएँ एक बार फिर अपने कौशल से सबका मन मोह लेंगी।

कम्युनिटी ऑर्गनाइजर को आया माइनर पैरालिसिस अटैक

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नगर पालिका में कम्युनिटी ऑर्गनाइजर के पद पर कार्यरत 33 वर्षीय ज्योति नामदेव को मंगलवार को माइनर पैरालिसिस अटैक आया है। उन पर बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और एसआईआर (स्पेशल समरी रिवीजन) कार्य का अत्यधिक दबाव था, जिसके कारण उनकी तबीयत बिगड़ी। उन्हें शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बुधवार को ज्योति के भाई पुष्पेंद्र नामदेव ने बताया कि लगभग एक महीने पूर्व उन्हें टाइफाइड हुआ था। इसी दौरान उन्हें वार्ड क्रमांक 33 कमलागंज का बीएलओ नियुक्त किया गया और एसआईआर का भी भारी-भरकम कार्य सौंप दिया गया।

जिला उज्ज्वला समिति की बैठक हुई संपन्न, पात्र हितग्राहियों को गैस कनेक्शन एवं वितरण में होगी तेजी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पात्र हितग्राहियों को शीघ्र गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रभारी जिला खाद्य अधिकारी विष्णु नारायण शुक्ला ने जिला उज्ज्वला समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मनेंद्रगढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न की। बैठक में जिले के समस्त गैस एजेंसी संचालकगण तथा समस्त खाद्य निरीक्षक की उपस्थिति रही। भारत सरकार एवं पेट्रोलियम मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नए गैस कनेक्शन हेतु प्राप्त आवेदनों की परीक्षण प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

बैठक के दौरान प्रत्येक गैस एजेंसी को अपने संस्थान से जुड़े आवेदनों की संख्या, लंबित मामलों की स्थिति, सत्यापन रिपोर्ट एवं संबंधित अभिलेख प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, जिससे जरूरतमंद हितग्राहियों को त्वरित लाभ प्रदान किया जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि उज्ज्वला योजना का लक्ष्य सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना है, इसलिए लाभ दिलाने में किसी प्रकार की देरी या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में यह भी तय किया गया कि सभी एजेंसियां समयसीमा के भीतर सत्यापित प्रकरणों को पोर्टल पर अपडेट करेंगी तथा पात्र हितग्राहियों को गैस कनेक्शन वितरण अभियान के रूप में पूर्ण प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। जिला प्रशासन ने उज्ज्वला योजना के सफल और पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए सभी एजेंसी संचालकों का सहयोग अपेक्षित बताया और जरूरतमंदों तक अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया।

डिजिटल खरीदी व्यवस्था और 3100 रुपए समर्थन मूल्य ने बदली किसान लक्ष्मी प्रसाद की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 किसानों के लिए नई उम्मीद और नए सम्मान का वर्ष बनकर सामने आया है। जिले के उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था इस बार पूरी तरह बदली हुई दिख रही है, जिसमे साफ-सुथरा वातावरण, सहयोगी स्टाफ, बारदाने की उपलब्धता, पीने के पानी की सुविधा और सटीक तौल व्यवस्था ने किसानों का विश्वास वापस दिलाया है। इसी बदलाव की असली मिसाल बने हैं ग्राम चैनपुर के किसान लक्ष्मी प्रसाद, जिन्होंने चैनपुर उपार्जन केंद्र में इस वर्ष 28 क्विंटल धान बेचा। केंद्र में पहुंचते ही उन्हें महसूस हुआ कि व्यवस्था अब सचमुच किसान मित्र बन चुकी है।

डिजिटल व्यवस्था ने जगाया नया आत्मविश्वासः लक्ष्मी प्रसाद बताते हैं कि इस बार पूरी प्रक्रिया तकनीक पर आधारित थी। टोकन ऑनलाइन जारी हुए, निर्धारित समय पर तौलाई पूरी हो गई और न कोई भीड़, न किसी तरह की प्रतीक्षा। पुराने समय की तरह लाइन में खड़े रहना या बार-बार पूछताछ करना अब इतिहास हो चुका है। वे खुश होकर कहते हैं कि अब खरीदी का इंतजार किसान नहीं करता, बल्कि खरीदी व्यवस्था किसान का इंतजार करती है। डिजिटल खरीदी से पारदर्शिता बढ़ी है, समय बचा है और किसानों को उनके अधिकारों का वास्तविक लाभ मिला है। प्रति क्विंटल 3100 रुपए समर्थन मूल्य और 21 क्विंटल प्रति एकड़ स्वीकृति सीमा ने किसानों की आर्थिक सुरक्षा को और मजबूत किया है। पिछले वर्ष की खरीदी राशि से किए गए खेत सुधार और नए कृषि उपकरणों ने लक्ष्मी प्रसाद की खेती को ज्यादा उत्पादक बनाया और इस वर्ष उन्हें विश्वास है कि बेहतर समर्थन मूल्य से परिवार और खेती दोनों और भी सशक्त होंगे।

नागपुर नवीन महाविद्यालय में आज अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर छात्राओं को मिला सशक्तिकरण और सुरक्षा का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। महिला सशक्तिकरण केन्द्र (मिशन शक्ति हब) की ओर से आज अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस और लिंग आधारित हिंसा की समाप्ति हेतु चल रहे 16 दिवसीय सक्रियता अभियान के तहत नवीन महाविद्यालय नागपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को लिंग आधारित हिंसा समाप्ति, दिव्यांगजनों के अधिकारों और उनके प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का संदेश दिया गया। यह आयोजन मिशन शक्ति, नवाबिहन और सखी केंद्र के संयुक्त सहयोग से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को वीरांगनाओं के आदर्शों से प्रेरणा लेकर आत्मनिर्भर बनने, आगे बढ़ने और सामाजिक बाधाओं को तोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही बालिकाओं में लैंगिक समानता, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, सखी वन-स्टॉप सेंटर, संवेदनशीलता, साइबर सुरक्षा और आपातकालीन नंबर 181, 1098, 1930 की जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि योजना, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, पॉक्सो एक्ट सहित कई महत्वपूर्ण कानूनों और विभागीय योजनाओं के बारे में भी बताया गया। योजनाओं से संबंधित ब्रोशर का वितरण कर छात्राओं को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम कीकर पांडे, पिंकी सिंह (हिंदी), राम शरण सिंह (भूगोल), मोहन मुरारी कंवर (भौतिक), विश्वनाथ संघ (वाणिज्य), उज्जवल विशाल (गणित), अरविंद बंजारे (राजनीति शास्त्र), जय तिवारी (रसायन शास्त्र), हिमांशु त्रिवेदी (वनस्पति विज्ञान), मोनिका अग्रवाल (वाणिज्य), मुक्ति लता और विपिन कुमार (जंतु विज्ञान) सहित अनेक शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों ने सामाजिक समानता, सुरक्षा और सशक्तिकरण के संदेश को समाज में आगे ले जाने का संकल्प लिया।

एचयूआरएल कंपनी के यूरिया की कालाबाजारी किए जाने पर संबंधित विक्रेता पर एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा उर्वरक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और किसानों तक समय पर खाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की जा रही सतत निगरानी के बीच विकासखण्ड करैरा के ग्राम सिरसौद में एचयूआरएल कम्पनी के यूरिया की कालाबाजारी किए जाने पर संबंधित यूरिया विक्रेता के.के.ट्रैडर्स सिरसौद प्रोपराईटर कृष्णकान्त गुप्ता के विरूद्ध एफआईआर पंजीबद्ध किए जाने की कार्यवाही की गई है।

प्रभारी उर्वरक निरीक्षक फूल सिंह हिण्डोरिया को गत दिवस सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सिरसौद में 85 बोरी यूरिया पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 93 एटी 3512 से अवैध रूप से परिवहन की जा रही है। सूचना पर मौके पर पहुंचकर निरीक्षक द्वारा वाहन चालक राजेश प्रजापति से पूछताछ की गई, जिसने बताया कि उक्त उर्वरक के.के. ट्रेडर्स सिरसौद प्रोप्राइटर कृष्णकान्त गुप्ता का है और इसे ग्राम बड़ौनी के पास के एक दुकानदार के यहां से लाया-ले जाया जा रहा था। मौके पर प्रोप्राइटर कृष्णकान्त गुप्ता को बुलाकर परिवहन से संबंधित बिल एवं वैध दस्तावेज मांगे गए, किन्तु संबंधित के द्वारा आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इससे एचयूआरएल ब्रांड यूरिया की कालाबाजारी की पुष्टि हुई। उप संचालक कृषि से प्राप्त निर्देशों के तहत प्रभारी उर्वरक निरीक्षक द्वारा के.के. ट्रेडर्स सिरसौद प्रोप्राइटर कृष्णकान्त गुप्ता के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 एवं उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 की धारा 7 एवं 8 के तहत एफआईआर दर्ज कराए जाने की कार्यवाही की गई है।

दिव्यांगता दिवस पर जिला स्तरीय आयोजन में चमके राजरानी सेवा संस्थान के नन्हें प्रतिभागी

मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के उपलक्ष्य में 1 से 3 दिसंबर 2025 तक शासकीय श्रवण एवं मूक-बधिर विद्यालय, तोपखाना बिछिया में आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रंगारंग आगाज़ हुआ। इस विशेष आयोजन में विभिन्न दिव्यांगता श्रेणियों–श्रवण एवं मूक-बधिर, अस्थि-बाधित, मानसिक रूप से अक्षम आदि– के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

नेशनल ट्रस्ट एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से पंजीकृत राजरानी सेवा एवं शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान, छत्रपति नगर, रीवा* के दिव्यांग बच्चों ने प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई स्पर्धाओं में प्रथम स्थान हासिल किया। 100 मीटर दौड़, माला फेंक, क्रिकेट, व्हीलचेयर/कुर्सी दौड़, बैसाखी दौड़ ट्राईसाइकिल दौड़ शतरंज और गेंद थ्रो में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अंशुमन भुजवा, रितेश सिंह बघेल, मेहरीन खान एवं मानवी शिकवा ने संस्थान का नाम रोशन किया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष नीता कल, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, संभागीय कमिश्नर बी.एस. जामोद, सामाजिक न्याय विभाग के प्रमुख अनिल दुबे, प्रज्ञा भारती तिवारी, शासकीय मानसिक मंद विद्यालय के प्रमुख डी.के. वर्मा तथा मूक-बधिर विद्यालय के प्राचार्य यू.पी. मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। राजरानी सेवा संस्थान से अध्यक्ष अजय सिंह, सचिव संजय सिंह एवं सह-संचालिका दीप्ति सिंह परिहार भी मौजूद रहे।

विशेष शिक्षिकाएँ–नीता रजक, उषा सिंह, साधना पांडे, पूनम मिश्रा, रंजना सिंह, निर्मला सिंह, तरन्नुम निशा एवं प्रशिक्षक राजेश सिंह–के मार्गदर्शन में बच्चों ने दक्षता और आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों एवं बच्चों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई और उनके प्रदर्शन ने जनसमूह एवं अधिकारियों का दिल जीत लिया।

रतलाम-इंदौर फोरलेन पर ट्रक में घुसी मारुति वैन

एक की मौत, एक गंभीर, ब्रेकर पर स्लो हुआ था वाहन

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में बुधवार सुबह रतलाम इंदौर फोरलेन पर तमिलनाडु पासिंग ट्रक में पीछे से मारुति वैन जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन के आगे का पूरा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वैन में दो लोग सवार थे। जिसमें से एक की मौके पर मौत हो गई। एक गंभीर घायल है। जिसे रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया है। घटना सालाखेड़ी चौकी अंतर्गत फोरलेन से सटे सनावदा फंटे पर सुबह करीब 7.30 बजे हुई। वैन क्रमांक एमपी 04 सीएफ 7303 अपने आगे चल रही ट्रक क्रमांक टीएन 68 जे 3796 में पीछे जा घुसी। टक्कर से वैन का आगे का हिस्सा पूरा चकनाचूर हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को

एंबुलेस से मेडिकल कॉलेज भेजा। जहां एक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। जिस जगह दुर्घटना हुई जगह रोड पर स्पीड ब्रेकर बने हुए है। संभवतः ट्रक के स्पीड ब्रेकर से क्रॉस करने के दौरान पीछे तेज गति में आने पर वैन चालक ट्रक में जा घुसा। मृतक व घायल जिले के ताल निवासी बताए जा रहे है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी है। परिजनों के आने के बाद शिनाख्त हो पाएगी। जानकारी सामने आई है कि दोनों मुर्गा-मुर्गी का व्यापार करते है। उसी सिलसिले में रतलाम आ रहे थे।

सागर में सट्टा खिलाते 5 सटोरिये गिरफ्तार: कैंट क्षेत्र में दबिश देकर 5 को पकड़ा, नकद और बुकिंग पर्चियां जब्त की

सागर, एजेंसी। सागर पुलिस ने अवैध शराब, सट्टा और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। इसी कड़ी में कैंट पुलिस ने कजलीवन मैदान और सदर समेत अन्य इलाकों में दबिश देकर 5 सटोरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सट्टा पर्चियां और 6010 रुपए नकद जब्त किए हैं। दरअसल, एसपी विकास शाहवाल ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को अवैध गतिविधियों (शराब, सट्टा, जुआ) पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी के चलते थाना स्तर पर एक विशेष टीम गठित की गई थी। टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कैंट थाना क्षेत्र में कुछ लोग अवैध रूप से सट्टा बुकिंग कर रहे हैं।

घेराबंदी कर इन इलाकों में की कार्रवाई : सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने सदर कजलीवन मैदान, मढिया विठ्ठलनगर और शास्त्री चौक सदर समेत अन्य स्थानों पर घेराबंदी कर दबिश दी।

ये 5 सटोरिये चढ़े पुलिस के हत्थे : बाबूलाल अहिरवार (55 वर्ष), पिता मंगल अहिरवार, निवासी 17 मुहाल सदर बाजार।

नरेन्द्र जाटव (48 वर्ष), पिता रामलाल जाटव, निवासी गुरुगोविंद्र सिंह वार्ड।

यधुनंदन घोषी (49 वर्ष), पिता प्रताप सिंह घोषी, निवासी गुरुगोविंद्र सिंह वार्ड।

अरविंद्र लोधी (34 वर्ष), पिता प्रकाश लोधी, निवासी पगारा।

गोलू उर्फ राहुल चौकसे (35 वर्ष), पिता प्यारेलाल चौकसे, निवासी गुरुगोविंद्र सिंह वार्ड।

सट्टा एक्ट में मामला दर्ज

कैंट थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने बताया कि सट्टा बुकिंग करते हुए पांच आरोपी पकड़ाए हैं। आरोपियों के कब्जे से सट्टा बुकिंग पर्ची और नकद 6010 रुपए जब्त किए गए हैं। सभी सटोरियों के खिलाफ सट्टा एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बिजुरी में मशीनरी पार्ट्स चोरी के 5 आरोपी गिरफ्तार:दो महीने से फरार चार अन्य साथी भी पकड़ाए

अनूपपुर,एजेंसी। बिजुरी के हसदेव क्षेत्र स्थित रीजनल स्टोर से कीमती मशीनरी पार्ट्स चोरी करने के आरोप में पुलिस ने बुधवार को पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को तकनीकी और मुखबिर सूचना के आधार पर पकड़ा गया। यह घटना 7 और 8 सितंबर 2025 की दरमियानी रात को हुई थी। सुरक्षा प्रहरी पवन कुमार जायसवाल ने 12 सितंबर 2025 को बिजुरी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोरों ने स्टोर का रोशनदान काटकर अंदर प्रवेश किया और मशीनरी पार्ट्स चुरा लिए। शिकायत के आधार पर, बिजुरी थाने में धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान, पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए तकनीकी और साइबर सहायता का उपयोग किया। पुलिस ने 16 सितंबर 2025 को विजय सिंह (निवासी चिरमिरी) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और अपने चार अन्य साथियों के नाम बताए, जो घटना के बाद से फरार थे। लगातार पतासाजी, मुखबिर सूचना और तकनीकी विश्लेषण के बाद पुलिस ने अन्य चार आरोपियों कमलेश सिंह उर्फ करिया (निवासी केबिन दफाई, बिजुरी), चुर्री उर्फ मुख्तार मुसलमान (उम्र 22 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 19, मलाईपारा, मनेंद्रगढ़), देव यादव (उम्र 21 वर्ष, निवासी मनेंद्रगढ़) और विनय सिंह बघेल (उम्र 26 वर्ष, निवासी झगराखांड) को भी गिरफ्तार कर लिया।

खंडवा में छात्रा के बेडरूम से 35 हजार चोरी, शादी में गया था परिवार पीछे से किरायेदार ने साफ किया हाथ

खंडवा, एजेंसी। खंडवा के माता चौक इलाके में एक छात्रा के बेडरूम में चोरी की वारदात सामने आई है। चोर अलमारी से 35 हजार रुपए नकदी और दो कीपैड मोबाइल चुरा ले गया। वारदात के वक्त छात्रा और उसका परिवार शादी समारोह में शहर से बाहर गया हुआ था। जानकारी के मुताबिक 8 दिन बाद लौटने पर चोरी का पता चला। पड़ोसी की सूचना पर खुलासा हुआ कि घर में रहने वाले किरायेदार ने ही इस घटना को अंजाम दिया है। आरोपी शहर का नामी चोर है, जिसके खिलाफ पुलिस ने नामजद एफआईआर दर्ज कर ली है।

22 नवंबर को दिनदहाड़े हुई वारदात, 8 दिन बाद चला पता : मामला थाना कोतवाली क्षेत्र के माता चौक इलाके का है। छात्रा संचिता सिंह राजपूत ने बताया कि चोरी की वारदात 22 नवंबर को दोपहर करीब 2:30 बजे हुई थी। उस समय पूरा परिवार शादी में शहर से बाहर था। 8 दिन बाद जब परिवार घर लौटा, तो छात्रा को अपने बेडरूम का सामान बिखरा हुआ मिला। दरवाजे की कुंडी टूटी हुई थी। अलमारी चेक करने पर उसमें रखे 35 हजार रुपए और दो मोबाइल गायब मिले।

किरायेदार दीवार फांदते देखा गया : चोरी की खबर मोहल्ले में फैली तो एक पड़ोसी ने परिवार को बताया कि घटना वाले दिन उसने घर में रहने वाले किरायेदार नितेश (पिता आत्माराम ठाकरे) को दीवार फांदते हुए देखा था। छात्रा ने बताया कि उन्हें पहले से ही नितेश पर शक था क्योंकि वह आदतन अपराधी है। उस पर खंडवा के अलावा इंदौर में भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं।

साथी के साथ मिलकर की चोरी, केस दर्ज : जांच में सामने आया कि नितेश ने राहुल नामक एक अन्य युवक के साथ मिलकर चोरी की थी। छात्रा की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी नितेश ठाकरे के खिलाफ नामजद केस दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है।

नाबालिग का अपहरण, चलती ट्रेन से कूदा, सिर में चोट

किडनैपर ने नर्मदापुरम में बाइक पर बिठाया, फिर ट्रेन से ले जा रहे थे

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम जिले के जामुनडोल गांव में 13 साल के स्कूली छात्र के अपहरण का मामला सामने आया है। मंगलवार को स्कूल जाते समय बदमाशों ने बच्चे को अगवा कर लिया। लेकिन बच्चे की सूझबूझ और हिम्मत ने उसे किडनैपर के चंगुल से बचा लिया।

जानकारी के मुताबिक, केसला थाना क्षेत्र के ग्राम जामुनडोल से 13 साल का बच्चा कालाआखर स्कूल जाने के लिए निकला था। रास्ते में किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका अपहरण कर लिया। आरोपी उसे बाइक पर बैठाकर इटारसी रेलवे स्टेशन तक ले आए।

ट्रेन धीमी हुई तो लगा दी छलांग किडनैपर की योजना बच्चे को ट्रेन से कहीं बाहर ले जाने की थी। उन्होंने बच्चे को ट्रेन में बैठा दिया। जैसे ही ट्रेन स्टेशन से चली और उसकी गति धीमी थी, बच्चे ने जान जोखिम में डालकर छलांग लगा दी। ट्रेन से गिरने के कारण उसके सिर में चोट आई है।

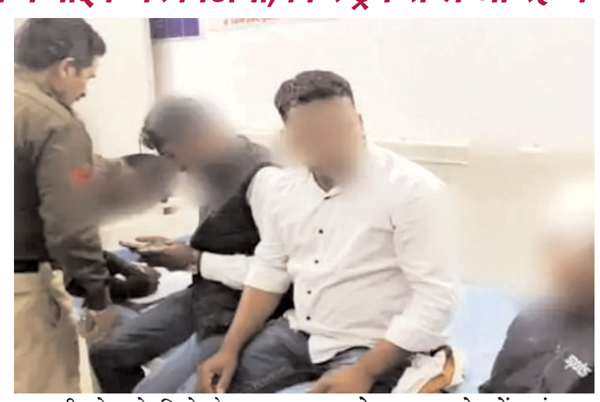

तत्काल ने कराया इलाज, परिजनों को सौंपा : घायल बच्चे को देख जीआरपी ने उसे तत्काल इटारसी अस्पताल में भर्ती कराया और उसका इलाज करवाया। जीआरपी ने बच्चे से पूछताछ कर उसके परिजनों का पता लगाया। सूचना मिलते ही देर शाम परिजन, सरपंच दुर्गेश धुर्वे और सुमित सेलूकर जीआरपी थाना इटारसी पहुंचे।

केसला थाने में ट्रांसफर हुआ केस : जीआरपी थाना प्रभारी संजय चौकसे ने बताया कि बालक ने बाइक पर बैठाकर लाने की बात कही है। उसके बयान लेकर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। चूंकि घटना जामुनडोल (केसला थाना क्षेत्र) की है, इसलिए मामला केसला थाने को ट्रांसफर किया गया है। पुलिस रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान हो सके।

सीहोर में तेज रफ्तार कार बिजली के खंभे से टकराई, खंभा तोड़कर खेत में उतरा वाहन

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में बुधवार सुबह बड़ा मुंगावली के पास एक तेज रफ्तार कार हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि सेमरा दांगी गांव की यह कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि खंभा कई हिस्सों में टूटकर गिर गया और कार खेत में जा समाई।

हादसे के समय कार में सिर्फ चालक ही मौजूद था। टक्कर की तीव्रता के बावजूद उसे सिर्फ हल्की चोटें आईं, जो किसी बड़े हादसे से बच जाने जैसी बात है। घटना होते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ट्रैक्टर की मदद से कार को खेत से बाहर निकाला और घायल चालक को जिला अस्पताल पहुंचाया।

ग्रामीणों का कहना है कि कार की गति काफी अधिक थी, जिससे टक्कर इतनी भीषण हुई। हादसे के बाद कुछ देर तक सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छतरपुर में अवैध हथियार समेत युवक गिरफ्तार, 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद सोशल मीडिया पर डाला था वीडियो

छतरपुर (मध्य प्रदेश), एजेंसी । छतरपुर जिले में अवैध हथियारों पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत सटई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ग्राम बसाटा से एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नरेंद्र कुशवाहा, पिता जिम्मू कुशवाहा, निवासी अतरार, थाना सटई, जिला छतरपुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सटई पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी उन्हें सूचना मिली कि ग्राम बसाटा में एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार लिए

घूम रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस राईपुरा तिराहे के पास पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध भागने लगा, जिसे पीछा कर पकड़ लिया गया।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया।

वीडियो सोशल मीडिया पर किया था शेयर : इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नरेंद्र कुशवाहा के नाम से इंस्टाग्राम पर डाली गई एक पोस्ट में आरोपी को एक अन्य व्यक्ति के साथ अवैध कट्टा थामे देखा जा रहा है। पुलिस इस वीडियो की भी जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने लोगों में डर और दहशत फैलाने के उद्देश्य से यह वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। छतरपुर पुलिस जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। विगत दिनों में अब तक 475 से अधिक आरोपियों को अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस द्वारा कई अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्रियों पर भी छापामार कार्रवाई की गई है।

सिंचाई पाइपलाइन फटी, 4 किमी दूर से दिखा नजारा

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले की शामगढ़ तहसील के आवरा गांव में सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की पाइपलाइन एक बार फिर फट गई। चंबल नदी से खेतों तक पानी पहुंचाने वाली इस पाइपलाइन के फटने से सैकड़ों फीट ऊंचाई तक पानी की तेज बौछार उठी। यह नजारा करीब 4 किलोमीटर दूर से भी साफ दिखाई दिया। ग्रामीणों के अनुसार, विभाग की लापरवाही के कारण इस क्षेत्र में पाइप फटने की घटनाएं

लगातार हो रही हैं। कुछ दिन पहले भी आवरा गांव में इसी पाइपलाइन के फटने से किसानों की फसलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थीं। तेज बहाव के कारण खेतों की उपजाऊ मिट्टी भी बह गई थी। इस बार फिर पाइपलाइन फटने से आसपास के किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों की लागत से बनी इस परियोजना की पाइपलाइन बार-बार फटने से किसानों को आर्थिक क्षति हो रही है।

मासूम से रेप के बाद 4दिन भोपाल में रहा सलमान

भोपाल, एजेंसी। सलमान का पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर किया था। - सलमान का पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर किया था। रायसेन के गौहरगंज में 6 साल की मासूम से रेप के आरोपी सलमान हमीदिया अस्पताल में भर्ती है। उसकी हालत में सुधार हो रहा है। वहीं, रायसेन पुलिस ने सलमान को फरारी में संरक्षण देने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तीनों को सुरक्षा कारणों से भोपाल जेल में रखा गया है। पूछताछ में सलमान ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। घटना के बाद वह चार दिन तक भोपाल में रहा। इस दौरान उसने मिसरोद, गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित डीआईजी बंगला, टीला जमालपुरा के पुतलीघर और गांधी नगर में फरारी काटी। वह खुलेआम पीठे पर खड़े होकर मजदूरी तलाशता रहा। चोरी का मोबाइल बेचकर खाना खाया। उसके फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे। बुधवार को रायसेन पुलिस ने पुष्टि की कि सलमान भोपाल में रहकर खुलेआम फरारी काटता रहा।

बराह में 'मां की बगिया' योजना के तहत फलदार पौधों का रोपण, मनरेगा व ग्रामीण आजीविका मिशन की संयुक्त पहल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बराह में सोमवार को मां की बगिया योजना के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मनरेगा अधिकारी नागेंद्र सिंह और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जवा के ब्लॉक प्रबंधक किरण सिंह की उपस्थिति रही।

इस दौरान स्वसहायता समूह की हितग्राही कविता देवी के परिसर में कई प्रकार के फलदार पौधे लगाए गए। मनरेगा

अधिकारी ने पौधों की सुरक्षा, सिंचाई और नियमित देखरेख से जुड़ी जानकारी भी विस्तार से दी। इसके साथ ही मनरेगा अधीन निर्मित खेत-तालाब में मछली पालन की शुरुआत कराई गई। हितग्राही को मछलियों की सुरक्षा, भोजन और प्रबंधन से जुड़ी निर्देशात्मक जानकारी भी प्रदान की गई।

मनरेगा अधिकारी नागेंद्र सिंह ने कहा कि मां की बगिया योजना किसानों के लिए लाभकारी है। शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली राशि से किसान फलदार पौधों का रोपण कर भविष्य में अच्छा लाभ कमा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पौध उत्पादन न केवल घरेलू उपयोग में आएगा बल्कि बाजार में बेचकर आय का स्थायी स्त्रोत भी बनेगा।

वहीं ब्लॉक प्रबंधक किरण सिंह ने बताया कि खेत-तालाब योजना के तहत मछली पालन किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। योजनाओं का उद्देश्य किसानों को अधिक से अधिक आत्मनिर्भर बनाना है।

मिताली राज: एक सफल बल्लेबाज और कप्तान के करियर को 2017 की उस हार ने अधूरा कर दिया

जोधपुर, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका को हराकर हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में अपना पहला विश्व कप जीता था। भारतीय महिला टीम की पहली विश्व कप विजय की यात्रा काफी लंबी रही है। इस यात्रा में कई ऐसे नाम रहे हैं, जिन्होंने भारतीय टीम को मौजूदा स्वरूप देने में बड़ी और यादगार भूमिका निभाई है। इनमें से सबसे बड़ा नाम मिताली राज का है। मिताली राज का जन्म 3 दिसंबर 1982 को जोधपुर, राजस्थान में हुआ था। हालांकि मूल रूप से वह हैदराबाद से संबंध रखती हैं। बचपन से ही क्रिकेटर बनने का सपना देखने वाली मिताली राज ने मात्र 16 साल की उम्र में 29 जून 1999 को आयरलैंड के खिलाफ वनडे से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। मिताली ने अपने पहले वनडे में ही 114 रन की पारी खेली और उन्होंने बता दिया था कि वह महिला क्रिकेट का नया इतिहास लिखने आई हैं। पहले वनडे में शतक लगाने के बाद मिताली ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी बल्लेबाजी अद्भुत थी, चाहे शानदार फुटवर्क हो, कट हो, फ्लिक हो, ड्राइव हो, या स्विप हो। हर शॉट में तकनीकि रूप से मिताली बेहद मजबूत थीं। वह टीम के लिए अकेले विकेट पर टीम के लिए डट जाया करती थीं।

यह वह दौर था जब महिला क्रिकेट में आर्थिक संपन्नता नहीं थी। क्रिकेटरों को इतने पैसे भी नहीं मिलते थे कि वह अपनी जिंदगी अच्छी तरह गुजार सकें। अभावों के बावजूद मिताली के मन में अपने खेल और देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का जज्बा उन्हें उनके समय के बल्लेबाजों से काफी आगे ले गया। तीनों फॉर्मेट में मिताली ने अपनी क्षमता साबित की। मिताली के नाम बल्लेबाजी के तमाम रिकॉर्ड दर्ज हैं। मिताली राज के नाम महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। 1999 से 2022 के बीच 232 मैचों की 211 पारियों में 57 बार नाबाद रहते हुए 7 शतक और 64 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 7,805 रन बनाए। उनका औसत 50.68 रहा। उनके नाम वनडे में सर्वाधिक अर्धशतक और लगातार 7 वनडे अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड है। मिताली 200 वनडे खेलने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं। मिताली टी20 में 2000 रन बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं और पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। 89 टी20 मैचों की 84 पारियों में 2,364 रन उनते नाम है। इस दौरान उन्होंने 17 अर्धशतक लगाए। मिताली राज महिला टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दोहरा शतक लगाने वाली सबसे युवा बल्लेबाज हैं। 2002 में मात्र 19 साल की आयु में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 214 रन बनाए थे। वह टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी भी हैं। मिताली ने 12 टेस्ट की 19 पारियों में 1 शतक और 4 अर्धशतक लगाते हुए 699 रन बनाए हैं। मिताली राज का बतौर कप्तान भी शानदार रिकॉर्ड रहा है।

मिताली ने 2004 से 2022 तक भारतीय टीम की कप्तानी की। इस दौरान 2005-2006 तक वह कप्तान नहीं रही थीं। वह दो वनडे विश्व कप फाइनल में कप्तानी करने वाली एकमात्र भारतीय कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में 2004 और 2017 में भारतीय टीम फाइनल में पहुंची थी। हालांकि दोनों मौकों पर टीम को हार का सामना करना पड़ा था। 2017 फाइनल में भारतीय टीम इंग्लैंड से सिर्फ 9 रन से हारी थी। वह हार मिताली और भारतीय फैंस को आज भी कचोटती है। वह मौका था जब मिताली विश्व कप जीतने वाली पहली महिला कप्तान बन सकती थीं। बतौर भारतीय कप्तान रिकॉर्ड 155 मैच उन्होंने खेले हैं। मिताली ने 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20 साल पूरे किए। ऐसा करने वाली वह पहली महिला क्रिकेटर थीं। 2022 में उन्होंने संन्यास ले लिया था। लगभग 23 साल लंबे करियर में बतौर बल्लेबाज और कप्तान उन्होंने बड़ी सफलता हासिल की। विश्व कप न जीत पाना उनके करियर का एक अधूरा किस्सा रहा। मिताली के संन्यास के ठीक 3 साल बाद भारतीय टीम वनडे चैंपियन बनी है।

भारतीय टीम ने जीत के बाद जब ट्रॉफी उठाई तो

ऊंची कीमत दबाव नहीं, अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है: दीप्ति शर्मा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के सितारे इन दिनों बुलंदी पर हैं। अपनी दमदार बल्लेबाजी और घातक गेंदबाजी से भारत को विश्व कप 2025 में चैंपियन बनाने वाली दीप्ति शर्मा टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई थीं। महिला प्रीमियर लीग 2026 के लिए हुई नीलामी में वह सबसे महंगी खिलाड़ी बनकर उभरीं। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान दीप्ति ने कहा कि उन पर बड़ी कीमत का कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है। मीडिया से बात करते हुए दीप्ति शर्मा ने कहा, ÷जब आपको इतनी ऊंची बोली मिलती है और कहीं न कहीं आपके मन में यह बात होती है कि इतने सारे लोग आपको देख रहे हैं, तो आपको अपनी फ्रेंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है। ऊंची कीमत मुझ पर दबाव नहीं बनाती, बल्कि अच्छा करने के लिए प्रेरित करती है। मुझे हमेशा मुश्किल हालात का सामना करना, टीम के लिए अपना बेस्ट देना और उस पल का मजा लेना पसंद है।÷ दीप्ति शर्मा 2023 से 2025 तक यूपी वॉरियर्ज का ही हिस्सा रहीं। पिछले सीजन वह टीम की कप्तान भी थीं। अगले सीजन के पहले यूपी वॉरियर्ज ने उन्हें रिलीज कर दिया था। उस समय चर्चा थी कि इतने बड़े ऑलराउंडर को टीम कैसे रिलीज कर सकती है। महिला प्रीमियर लीग 2026 के लिए हुई नीलामी में यूपी वॉरियर्ज ने दीप्ति शर्मा के लिए आरटीएम का इस्तेमाल किया और 3.20 करोड़ में अपने साथ जोड़ा।

महिला प्रीमियर लीग के इतिहास में दीप्ति शर्मा पहली खिलाड़ी हैं जिनके लिए आरटीएम का इस्तेमाल हुआ। दीप्ति पिछले तीन सीजन में यूपी वॉरियर्ज के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में रही हैं। दीप्ति ने तीन सीजन के 25 मैचों में 507 रन बनाए हैं और 27 विकेट लिए हैं। दिग्गज ऑलराउंडर को इतनी बड़ी कीमत मिलने की वजह विश्व कप 2025 में उनका बेहतरीन प्रदर्शन भी है। दीप्ति शर्मा 9 मैचों में 22 विकेट लेकर सफलतम गेंदबाज रही थीं। वहीं 9 मैचों की 7 पारियों में उन्होंने 215 रन बनाए थे।

विश्व कप जीतने के ठीक एक महीने बाद स्नेह राणा उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर पहुंची

उज्जैन, एजेंसी। विश्व कप 2025 का खिताब जीतने वाली भारतीय महिला टीम की सदस्य रहीं ऑलराउंडर स्नेह राणा मंगलवार को उज्जैन के महाकालेश्वर में भगवान शिव के दर्शन के लिए पहुंची थीं। राणा ने वर्ल्ड कप 2025 जीतने की उनकी इच्छा पूरी करने के लिए भगवान का शुक्रिया अदा किया। राणा, अपनी टीम के साथियों के साथ, अक्टूबर में टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में टीम के मुश्किल समय के दौरान मंदिर आई थी और जीत का आशीर्वाद मांगा था। भारतीय टीम ने 2 नवंबर को ट्रॉफी उठाई। भारत को वर्ल्ड कप फाइनल में साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर अपना पहला विश्व कप जीते पूरा एक महीना हो गया है। राणा ने एक्स पर सुबह की आरती में शामिल होने की अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ÷एक महीना हो गया है। ऐसा लगता है जैसे पलक झपकते ही सब बीत गया। मैंने यह जीत उनके सामने हासिल की। ??ठीक 1 महीने बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर जाकर उनका शुक्रिया अदा करने और हमारी इच्छाएं पूरी करने का चक्र पूरा किया। स्नेह राणा ने विश्व कप में छह मैचों में हिस्सा लिया और सात विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस बॉलिंग ऑलराउंडर ने भारत के लिए 44 वनडे खेले हैं, जिसमें 57 विकेट लिए हैं और 380 रन बनाए हैं। उन्होंने एक अर्धशतक भी लगाया है।

युवा खिलाड़ियों को मौका देने के लिए फाफ डुप्लेसिस को छोड़ना पड़ा: हेमांग बदानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 का अभिन्न हिस्सा रहे दिग्गज दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस को आईपीएल 2026 के लिए रिटेन नहीं किया था। फाफ ने इसके बाद नीलामी में शामिल नहीं होने का फैसला लिया और अगले सीजन वह आईपीएल की जगह पाकिस्तान की टी20 लीग पीएसएल में खेलते हुए नजर आएंगे। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमांग बदानी ने कहा है कि युवाओं को मौका देने के लिए फाफ को रिलीज करने का मुश्किल फैसला लेना पड़ा। जियो हॉटस्टार से बात करते हुए बदानी ने कहा, ÷फाफ डु प्लेसिस जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी को रिलीज करना कभी आसान नहीं होता। उन्हें जाने देना सच में एक मुश्किल फैसला था क्योंकि वह कई सालों से आईपीएल में शानदार परफॉर्मर रहे हैं, लेकिन हमें लगा कि अब एक युवाओं की तरफ बढ़ने का समय आ गया है। कोई ऐसा जो ज्यादा आक्रामक अंदाज में खेल सके, जो उस तरह के क्रिकेट के लिए फिट हो जिसे हम खेलना चाहते हैं।÷ फाफ डु प्लेसिस आईपीएल में बतौर बल्लेबाज बड़ा नाम रहे हैं। वह लीग इतिहास के सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। फाफ ने अपनी पहचान एक नियमित रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज के रूप में बनायी है। 2012 से 2025 के बीच 154 मैचों में फाफ ने 39 अर्धशतक लगाते हुए 4,773 रन बनाए हैं। उनका औसत 35 और स्ट्राइक रेट 135 से ऊपर है।

फाफ चेन्नई सुपर किंग्स (2012 से 2015 और 2018-2021), राइजिंग पुणे सुपरजायंट (2016-2017), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (2022-2024), और दिल्ली कैपिटल्स (2025) का हिस्सा रहे हैं। सीएसके के साथ वह दो बार खिताब जीत चुके हैं। फाफ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जानकारी दी थी कि वह अगले सीजन पाकिस्तान सुपर लीग में खेलना चाहते हैं। फाफ की फिटनेस और फॉर्म पूरी तरह फिट है। वह 41 साल के हो चुके हैं, और उम्र ही आईपीएल के रास्ते में उनके लिए बाधा बनी है।

एशेज: गाबा टेस्ट से बाहर हुए उस्मान ख्वाजा, वुड की जगह इंग्लैंड ने विल जैक्स को प्लेइंग में जगह दी

ब्रिसबेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के लिए सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ब्रिसबेन के गाबा में 4 दिसंबर से शुरू हो रही एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। वहीं इंग्लैंड ने इंजर्ड मार्क वुड की जगह गाबा टेस्ट के लिए ऑलराउंडर विल जैक्स को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। उस्मान ख्वाजा दो सप्ताह पहले पीठ में लगी चोट की वजह से दूसरे टेस्ट से बाहर हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ख्वाजा के विकल्प के रूप में किसी खिलाड़ी को टीम में जगह नहीं देने का फैसला किया है। उस्मान ख्वाजा ने मंगलवार को गाबा में नेट्स में लगभग आधा घंटा बिताया। इस दौरान वह असहज दिखे। उनकी पीठ की चोट ठीक नहीं हुई है और वह दूसरे टेस्ट में खेलने के लिए पूरी तरह फिट नहीं दिखे। इसके बाद मैनेजमेंट ने उन्हें दूसरे टेस्ट से बाहर रखने का फैसला किया। वहीं गाबा टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने भी इंजर्ड तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह विल जैक्स को टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने पिंक-बॉल टेस्ट के लिए अपनी लाइनअप की घोषणा करते हुए कहा, ÷इंग्लैंड ने पर्थ में पहले एशेज टेस्ट से अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया है, जिसमें स्पिनिंग ऑलराउंडर विल जैक्स को चोटिल मार्क वुड की जगह शामिल किया गया है।÷ जैक्स की तीन साल बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उनके आने से टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों मजबूत हुई है।

गाबा टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम- स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

गाबा टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन- जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: काम न आया वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड शतक

महाराष्ट्र ने बिहार को 3 विकेट से हराया

कोलकाता, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। मंगलवार को ईडन गार्डन में महाराष्ट्र के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने धुआंधार शतक लगाया। बिहार की तरफ से खेलते हुए सूर्यवंशी ने सिर्फ 61 गेंदों पर 108 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने सात चौके और सात छक्के लगाए। यह सूर्यवंशी का सिर्फ अपने 16वें प्रोफेशनल ञ्20 मैच में तीसरा शतक था। इसके अलावा, यह उनका सबसे धीमा शतक है, जो 58 गेंदों में तीन अंकों तक पहुंचा। बिहार टीम की उपकप्तानी कर रहे सूर्यवंशी की 108 रन की पारी की बदौलत बिहार ने 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 176 रन का स्कोर बनाया। आकाश राज ने 26 और आयुष लोहारुका ने 25 रन बनाए। इस साल की शुरुआत में, सूर्यवंशी ने सिर्फ 14 साल और 23 दिन की उम्र में आईपीएल में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के तौर पर शतक लगाकर इतिहास रचा था। गुजरात टाइटंस के खिलाफ उन्होंने 35 गेंद पर शतक लगाया था। यह किसी भारतीय की आईपीएल की सबसे तेज सेंचुरी थी और क्रिस गेल के बाद ओवरऑल लीग की दूसरी सबसे तेज सेंचुरी थी। हालांकि वैभव सूर्यवंशी की शतकीय पारी बिहार के काम नहीं आई। बिहार को महाराष्ट्र ने 3 विकेट से हरा दिया।

महाराष्ट्र के लिए कप्तान पृथ्वी शॉ ने 30 गेंद पर 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से 66 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत महाराष्ट्र ने 19.1 ओवर में 7 विकेट पर 182 रन बनाकर मैच 3 विकेट से जीता। नीरज जोशी ने 30, रंजीत निकम ने 27 और निखील ने 22 रन बनाए। पृथ्वी शॉ प्लेयर ऑफ द मैच रहे। बिहार की तरफ से अगर किसी दूसरे बल्लेबाज ने भी तेजी से रन बनाए होते, तो वैभव का रिकॉर्ड शतक बिहार को महाराष्ट्र के खिलाफ जीत दे जाता।

हार्दिक पंड्या की दमदार वापसी, तूफानी बल्लेबाजी के साथ बने जीत के हीरो

हैदराबाद, एजेंसी। हार्दिक पंड्या ने लंबे वक्त बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करते हुए अपना जलवा बिखेरा है। मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के एलीट ग्रुप–सी मैच में हार्दिक पंड्या को पंजाब के खिलाफ ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हार्दिक पंड्या ने पंजाब के खिलाफ 42 गेंदों में 4 छक्कों और 7 चौकों के साथ नाबाद 77 रन की पारी खेली। इसके अलावा, उन्होंने 1 विकेट भी अपने नाम किया। हार्दिक पंड्या के इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत बड़ौदा ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। यह इस सीजन टीम की दूसरी जीत रही। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब की टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लेते हुए 8 विकेट खोकर 222 रन बनाए। इस टीम को प्रभसिमरन सिंह और कप्तान अभिषेक शर्मा ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 4.1 ओवरों में 53 रन जुटाए। प्रभसिमरन 16 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 19 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 50 रन की पारी खेली। पंजाब ने 92 के स्कोर तक अपने सलामी बल्लेबाजों का विकेट गंवा दिया था। यहां से नेहल वढेरा ने नमन धीर के साथ 43 गेंदों में 80 रन जुटाते हुए टीम को 172 के स्कोर तक पहुंचा दिया। इस टीम के लिए अनमोलप्रीत सिंह ने 32 गेंदों में सर्वाधिक 69 रन बनाए। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे, जबकि नमन धीर 39 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विपक्षी टीम की तरफ से राज लिंबानी ने 36 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि हार्दिक पंड्या, रसिख सलाम और अतित शेठ ने एक–एक विकेट हासिल किया। इसके जवाब में बड़ौदा ने 19.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ 9 दिसंबर से टी20 सीरीज, गिल की उपलब्धता पर होगी चयन समिति की निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 9 दिसंबर से पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज शुरू होगी, जिसमें शुभमन गिल की फिटनेस और उपलब्धता पर सभी की निगाहें रहेंगी। बुधवार को अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली समिति रायपुर में मीटिंग करेगी, ताकि 15 सदस्यीय टीम तय की जा सके। शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में चौका लगाने के बाद चोटिल हुए थे। गर्दन में चोट के बाद गिल सीरीज का अगला मुकाबला नहीं खेल सके। इसके बाद उन्हें वनडे सीरीज से भी बाहर बैठना पड़ा। आईएएनएस को जानकारी मिली है कि गिल रिहैब के लिए मंगलवार को बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच गए हैं। टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम 6 दिसंबर को एकजुट होगी, इसलिए चयनकर्ताओं को बुधवार को टीम चुननी होगी। फिलहाल, टी20 सीरीज में गिल के खेलने की संभावनाएं 50 प्रतिशत हैं। एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, ÷हो सकता है कि गिल बल्लेबाजी आजमाएं और देखें कि आगामी सीरीज में उन्हें शामिल करने का फैसला लेने से पहले वह फिटनेस को लेकर कैसा महसूस कर रहे हैं।÷ अगर शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेलते, तो अभिषेक शर्मा के साथ संजू सैमसन या यशस्वी जायसवाल बतौर सलामी बल्लेबाज नजर आ सकते हैं। संजू सैमसन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में सिर्फ दो मैच खेले, जिसमें एक बार बल्लेबाजी का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने नंबर 3 पर बैटिंग की।

उम्मीद की जा रही है कि इस टी20 सीरीज में सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी शामिल किया जा सकता है। पंड्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पंजाब के खिलाफ 1 विकेट लेने के बाद नाबाद 77 रन बनाए हैं। पंड्या की शानदार पारी के दम पर बड़ौदा ने मुकाबला 7 विकेट से जीता। पंड्या को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी। पहला मैच कटक में खेला जाएगा, जिसके बाद 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में सीरीज का दूसरा मुकाबला होगा। धर्मशाला में 14 दिसंबर को तीसरा मैच आयोजित होगा, जबकि 17 दिसंबर को लखनऊ सीरीज के चौथे मैच की मेजबानी करेगा। 19 दिसंबर को अहमदाबाद में सीरीज का अंतिम मुकाबला खेला जाना है।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन स्मिथ का 62 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन अर्नोल्ड स्मिथ का 62 साल की उम्र में निधन हो गया। इस दिग्गज खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में सोमवार को अंतिम सांस ली। अपने शानदार करियर के दौरान स्मिथ ने टेस्ट करियर के 62 मुकाबलों में 43.67 की औसत के साथ 4,236 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 9 शतक और 28 अर्धशतक निकले। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 71 वनडे मुकाबलों में 39.01 की औसत के साथ 2,419 रन बनाए, जिसमें 4 शतक शामिल रहे। इसके अलावा, उन्होंने 426 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 26,155 रन, जबकि 443 लिस्ट-ए मुकाबलों में 14,927 रन बनाए। वह क्रिकेट जगत में द जज के नाम से मशहूर हुए। दिवंगत क्रिकेटर के परिवार ने बताया कि सोमवार को साउथ पर्थ में स्थित अपार्टमेंट में स्मिथ की आकस्मिक मौत हो गई। हालांकि, उनकी मौत का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है। स्मिथ के परिवार ने एक बयान में कहा, ÷बहुत दुख के साथ हमें यह बताना पड़ रहा है कि रॉबिन अर्नोल्ड स्मिथ, हैरिसन और मार्गो के प्यारे पिता और क्रिस्टोफर के प्यारे भाई, गुजर गए।

बयान में कहा गया, एक बहादुर और साहसी बल्लेबाज, जिन्होंने हैम्पशायर और अपने देश के लिए शानदार क्रिकेट खेला। इस दौरान उन्हें बहुत से चाहने वाले और दोस्त मिले। यह हम सभी के लिए बहुत मुश्किल समय है। हम इस दुख से उबरने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे में हम चाहेंगे कि मीडिया और क्रिकेट फैंस हमारी निजता का ख्याल रखें। 2004 में खेल से रिटायरमेंट के बाद से, शराब और मेंटल हेल्थ से उनकी लड़ाइयों के बारे में सभी को पता है, लेकिन इन वजहों से मौत के कारण के बारे में अंदाजा नहीं लगाया जाना चाहिए। मौत की असल वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चलेगी। इंग्लैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड में हर कोई रॉबिन स्मिथ के निधन की खबर सुनकर बहुत दुखी है। वह इंग्लैंड और हैम्पशायर के लीजेंड थे। आपकी आत्मा को शांति मिले, जज।÷ इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चेयरमैन रिचर्ड थॉम्पसन ने स्मिथ के निधन पर दुख जताते हुए कहा, ÷रॉबिन स्मिथ एक ऐसे खिलाड़ी थे, जो दुनिया के कुछ सबसे तेज गेंदबाजों का डटकर सामना करते थे। उनके इस प्रदर्शन से इंग्लैंड के फैंस को बहुत गर्व महसूस हुआ, उनका भरपूर मनोरंजन हुआ। उन्होंने 1993 में एजबेस्टन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मुकाबलों में 163 गेंदों पर नाबाद 167 रन की यादगार पारी खेली। हैम्पशायर में उनका रिकॉर्ड शानदार है। उनके जाने की खबर से हमें बहुत दुख हुआ। हम सभी की दुआएं उनके दोस्तों, परिवार और प्रियजनों के साथ हैं।÷ रॉबिन अर्नोल्ड स्मिथ का जन्म 13 सितंबर 1963 को डरबन (साउथ अफ्रीका) में हुआ था। कुछ वर्षों के बाद वह हैम्पशायर की ओर से खेलने के लिए इंग्लैंड चले गए। उन्होंने साल 1982 से 2003 के बीच 21 साल हैम्पशायर की ओर से खेला। इस दौरान 1998 से 2009 के बीच काउंटी की कप्तानी की। स्मिथ ने 40 साल की उम्र में क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया था।

अभियान चलाकर 50 दिवस से ऊपर की षिकायतें एक सप्ताह में निराकृत करें : कलेक्टर

समस-सीमा प्रकरणों की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने सभी विभाग प्रमुख अधिकारियों से उनके विभाग में लंबित 50 दिवस से अधिक की लंबित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को अभियान चलाकर एक सप्ताह में निराकृत करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि नवम्बर माह की शिकायतों पर भी फोकस रहकर संतुष्टिपूर्ण निराकरण के प्रयास करें। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की विभागवार समीक्षा की। इस मौके पर अपर कलेक्टर संजना जैन, एसडीएम मैहर दिव्या पटेल, उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय, जिला संयोजक अरूण शुक्ला, प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, आरईएस लाजरूस केरकेट्टा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्वेतांक चौरसिया, उप संचालक उद्यानिकी अनिल सिंह, उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह, एसडीओ फारेस्ट यशपाल मेहरा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि नवम्बर माह की शिकायतों के अलावा 50 दिवस से ऊपर की सभी शिकायतों का निराकरण करें। अधिकतम लंबित शिकायतों वाले विभागों का अलग से ग्रुप बनाया गया है। इन विभागों की प्रतिदिन शाम को 6 बजे समीक्षा की जायेगी। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिवस से अधिक की कुल 5820 शिकायतें लंबित है। जो कि मैहर जिले के हिसाब से बहुत अधिक है। इनमें महिला बाल विकास विभाग 2157, राजस्व विभाग की 1146, लाडली बहना 1091, पंचायती राज 204, एमपीईबी 210, पीएचई 164, स्वास्थ्य विभाग 268, श्रम विभाग 87, सामान्य प्रशासन 61, स्कूल शिक्षा की 57 शिकायतें शामिल हैं। कलेक्टर ने कहा कि इन सभी शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर अभियान चलाकर बंद करायें। कलेक्टर-कमिश्नर कान्फ्रेंस की पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि संबंधित विभाग अपने निर्धारित बिन्दुओं पर कार्यवाही समय पर सुनिश्चित करें। प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए 100-100 किसानों को चिन्हांकन कर उन्हें जैविक खेती की ओर जोडें। इसी प्रकार उनकी पैदावार की उचित मार्केटिंग के लिए मंडी में अलग से स्थान भी मुहैया कराये। बताया गया कि जैविक खेती के उत्पादों को विक्रय के लिए कृषि उपज मंडी मैहर में एक स्टाल बनाया गया है। कलेक्टर ने कहा कि पराली और नरवाई प्रबंधन में कृषि विभाग और राजस्व विभाग ध्यान देकर कार्यवाही करें। पशुपालन विभाग मिल्क रूट का गठन करें। उन्होंने कहा कि भूअर्जन के प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। जनआकांक्षा पोर्टल पर दर्ज टीएल पत्रकों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी संबंधित विभाग कृत कार्यवाही के संबंध में पोर्टल पर जबाब दर्ज करें। स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग और बैंकर्स आपसी समन्वय के साथ डीएलसीसी की बैठक के पहले योजनाओं के टारगेट पूरा कर ले।

महापौर ने वार्ड 05 में प्रस्तावित सड़क निर्माण स्थल का किया निरीक्षण

गुणवत्ता एवं समय-सीमा पर दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर निगम महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने मंगलवार को वार्ड क्रमांक 05 स्थित प्रस्तावित सड़क निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी और निगम अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता सर्वोपरि रखी जाए तथा तय समय-सीमा का कठोरता से पालन सुनिश्चित हो। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब न होने पाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण पूरा होने पर क्षेत्रवासियों को बार-बार होने वाली आवागमन संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी और स्थानीय यातायात व्यवस्था भी सुचारू रूप से संचालित हो सकेगी।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने स्पष्ट किया कि नगर निगम शहर के सभी वार्डों में अधोसंरचना के विकास को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने बताया कि सतना शहर में सड़कों, नालियों और रोशनी व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य जारी है। महापौर ताम्रकार ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि शहर के विकास में जनता की सहभागिता महत्वपूर्ण है और निगम उनके सुझावों का सदैव स्वागत करता है।

सेंट्रल जीएसटी इंस्पेक्टर 20 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

फाइल बढ़ाने के लिए व्यापारी से मांगे थे 60 हजार, पकड़ाने के बाद मुंह छिपाते नजर आया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। लोकायुक्त रीवा की टीम ने सिविल लाइन तिराहे स्थित इनकम टैक्स कॉलोनी से सेंट्रल जीएसटी इंस्पेक्टर कुमार सौरभ को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई उनके सरकारी आवास पर की गई, जहां टीम पहले से ही तैयार बैठी थी। जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई व्यापारी वीरेन्द्र कुमार की शिकायत पर की गई। उन्होंने 29 नवंबर को लोकायुक्त कार्यालय में आवेदन देकर बताया था कि इंस्पेक्टर लगातार उन पर ई-वे बिल से जुड़े मामले में 60 हजार रुपये की अवैध मांग कर रहे थे।

फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर मांगी रिश्वत: व्यापारी ने बताया कि पेनाल्टी न लगाने और फाइल आगे न बढ़ाने का दबाव बनाकर उनसे पैसे मांगे जा रहे थे। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए लोकायुक्त टीम ने पहले पूरे प्रकरण का सत्यापन किया और उसके बाद ट्रैप की योजना बनाई।

बुधवार को तय रणनीति के अनुसार जैसे ही व्यापारी ने 20 हजार रुपये इंस्पेक्टर को दिए, टीम ने तुरंत उन्हें घेरकर पकड़ लिया। कार्रवाई इतनी तेजी से हुई कि इंस्पेक्टर को संभलने का मौका तक नहीं मिला। टीम उन्हें हिरासत में लेकर सीधे सर्किट हाउस पहुंची, जहां उनसे प्राथमिक पूछताछ की गई। इसके बाद प्रकरण से जुड़े दस्तावेज और सबूत भी एकत्र किए गए।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज: लोकायुक्त की इस कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी इंस्पेक्टर लंबे समय से व्यापारियों पर अनैतिक तरीके से दबाव बनाकर वसूली करता रहा है। स्थानीय कारोबारी भी उसकी कार्यशैली से परेशान थे, लेकिन खुलकर शिकायत करने से डरते थे। फिलहाल लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। जांच टीम यह भी पता लगा रही है कि कहीं इंस्पेक्टर अन्य मामलों में भी अवैध वसूली में तो शामिल नहीं था। अधिकारीयों का कहना है कि जांच में अगर और तथ्य सामने आए, तो कार्रवाई और कड़ी होगी।

4300 किसानों के पंजीयन असत्यापित, धान बिक्री के लिए स्लॉट बुक; अब सत्यापन को टीम गठित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए पंजीकृत करीब 4300 किसानों को मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। राज्य शासन ने उनके सिकमी पंजीयन वाले रकवे को असत्यापित घोषित कर दिया है। इससे वे अपनी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं बेच पा रहे हैं, जबकि कई किसान स्लॉट भी बुक करा चुके थे। किसानों को इस स्थिति की जानकारी तब मिली जब वे धान लेकर खरीद केंद्र पहुंचे। वहां उन्हें बताया गया कि उनके पंजीयन में दर्ज रकवे संदिग्ध हैं, इसलिए पूरा पंजीयन असत्यापित कर दिया गया है। इससे किसान काफी परेशान और नाराज हैं।

पहले किया गया था सत्यापन, केंद्र पर पहुंचने असत्यापित मिले: करीब एक माह पहले किसानों ने धान विक्रय के लिए पंजीयन करा लिया था। उस समय तहसीलदारों द्वारा सिकमी रकवों का सत्यापन भी किया गया था, जिसके बाद किसान निश्चिंत हो गए थे। कई किसानों को 2 दिसंबर को धान बेचने का स्लॉट मिला था, पर केंद्र पहुंचने पर उनके रकवे असत्यापित मिले। राज्य शासन के निर्देश पर संदिग्ध पंजीयन की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम बनाई गई है। डीएसओ सम्यक जैन ने बताया कि टीम में तहसीलदार, क्षेत्रीय जेएसओ और सहकारिता निरीक्षक शामिल होंगे। यह टीम किसानों का सत्यापन करेगी और जरूरत पड़ने पर दस्तावेज भी मांगेगी।

अपहरण-मारपीट के 2 आरोपी शहडोल-रीवा से गिरफ्तार, कांग्रेस नेता के भाई को बंधक बनाकर की थी पिटाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कांग्रेस नेता के भाई के अपहरण और मारपीट के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को रीवा और शहडोल से गिरफ्तार कर लिया है। सिटी कोतवाली पुलिस ने दोनों को पकड़कर जेल भेज दिया है। यह मामला 23 नवंबर की रात का है। नजीराबाद के रहने वाले इमरान अहमद को कादिर हुसैन, धनराज तिवारी, लियाकत शाह, मोहम्मद सगीर और आसिफ ने मिलकर अपनी कार में जबरन बैठाया और नजीराबाद स्थित अपने घर ले गए।

कांग्रेस नेता के भाई को बनाया था बंधक: घर ले जाकर आरोपियों ने इमरान को बंधक बनाया और उसकी बुरी तरह पिटाई की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जाता है कि यह विवाद पहले से चल रहे मामले को लेकर हुआ था। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन मोहम्मद सगीर और आसिफ फरार थे। काफी तलाश के बाद पुलिस ने अब सगीर को शहडोल और आसिफ को रीवा से पकड़ लिया है।

नजीराबाद में कांग्रेस नेता के भाई को बंधक बनाकर पीटा, स्थानीय लोगों ने आरोपी की कार तोड़ी: सतना के नजीराबाद इलाके में शनिवार देर रात एक युवक को अपहरण कर घर में बंधक बना लिया गया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट भी की। मिली जानकारी के अनुसार, इमरान नामक युवक को पुराने विवाद के चलते आरोपी अब्दुल कादिर और उसके साथियों ने देर रात जबरन उठाकर अपने घर ले गए।

इनकम टैक्स वकील के घर चोरी-लूट का खुलासा, कैश और गहने बरामद नाबालिग समेत 4 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोलगवां पुलिस ने इनकम टैक्स वकील के घर हुई चोरी और लूट की वारदात का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से नकदी और सोने-चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं। इस मामले में एक आरोपी अब भी फरार है। यह वारदात चार दिन पहले बांधवगढ़ कॉलोनी स्थित वकील के घर में हुई थी। बीते 29 नवंबर की शाम को आईटीआई कॉलेज के पीछे रहने वाले सुमित कुमार बाल्मीक (35) अपने घर में ताला लगाकर शादी समारोह में पन्ना गए थे। रात करीब साढ़े 9 बजे उनके पड़ोसी ने घर में किसी के घुसने की सूचना दी।

पर्स छीना और मारपीट की: सूचना मिलते ही सुमित के भाई अनुज बाल्मीक तुरंत मौके पर पहुंचे। उनकी आहट सुनकर घर के अंदर से कुछ बदमाश तेजी से बाहर निकले। बदमाशों ने अनुज के साथ मारपीट की और उनका पर्स छीन लिया, जिसमें नकदी और कुछ कागजात रखे थे। चोरों ने घर में रखे सोने-चांदी के जेवर भी चुरा लिए थे।

पुलिस ने शिकायत मिलने पर अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने राम बंशकार (23), समीर बंशकार (19), धीरज बंशकार (23) और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया। राम बंशकार आईटीआई बसोर बस्ती का निवासी है, जबकि समीर और धीरज नारायण तालाब बस्ती के रहने वाले हैं। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने विजय बंशकार (19) के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कुछ गहने और नकदी बरामद की है।

जंगल में मिला नरकंकाल, गले की हड्डी और खोपड़ी पेड़ पर मिली; बाकी हिस्सा जमीन पर बिखरा पड़ा था

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महापार जंगल में मंगलवार को एक नरकंकाल मिलने से सनसनी फैल गई है। यह कंकाल 4 महीने पहले लापता हुए 50 वर्षीय चरवाहे लालमन यादव का बताया जा रहा है। परिजनों ने मौके पर मिले कपड़ों और सामान से उसकी पहचान की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। संजय नगर (सभापुर) निवासी लालमन यादव (50) पुत्र छेदीलाल यादव बीते 5 अगस्त 2025 को अपनी बकरियां लेकर जंगल गया था। शाम होने पर उसने बकरियों को गांव के ही एक व्यक्ति के साथ घर भेज दिया और खुद किसी रिश्तेदारी में जाने की बात कही। इसके बाद से ही वह लापता था। परिजनों ने सभापुर थाने में उसकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी।

रिश्तेदार ने जंगल में देखा, भाई को बुलाया: लापता होने के करीब चार महीने बाद, 2 दिसंबर को महापार में रहने वाले लालमन के रिश्तेदार गनपत यादव को घने जंगल के अंदर एक पेड़ के पास नरकंकाल पड़ा मिला। उन्होंने तुरंत संजय नगर में लालमन के भाई बब्बू यादव को फोन कर बुलाया और पुलिस को सूचना दी।

पेड़ पर लटकी थी खोपड़ी, नीचे बिखरी थीं हड्डियां: पुलिस टीम जब घटनास्थल पर पहुंची, तो नजारा भयावह था। एक पेड़ पर गमछे के फंदे से किसी व्यक्ति की गले की हड्डी और खोपड़ी लटकी हुई थी। जमीन पर कंकाल का बाकी हिस्सा बिखरा पड़ा था।

लोकायुक्त की कार्रवाई में सेंट्रल जीएसटी इंस्पेक्टर सौरभ सिंह रंगे हाथों पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर में सोमवार दोपहर हुई लोकायुक्त की तेज़ कार्रवाई ने विभागीय गलियारों में हलचल मचा दी। शिकायत के आधार पर गठित टीम ने सेंट्रल जीएसटी विभाग के इंस्पेक्टर सौरभ सिंह को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए ट्रैप कर लिया। कार्रवाई इतनी त्वरित थी कि आसपास मौजूद कर्मचारियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला।

सूत्रों के मुताबिक, शिकायतकर्ता से चालान व अन्य कार्यवाही में राहत दिलाने के बदले कथित रूप से अवैध राशि की माँग की जा रही थी। मामले की पुष्टि होते ही लोकायुक्त सतना की टीम ने पूर्व निर्धारित योजना के तहत जाल बिछाया और इंस्पेक्टर को मौके से पकड़ लिया। बरामद राशि तथा अन्य दस्तावेज टीम ने सील कर जब्त किए हैं। लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ पूरी कर ली गई है और प्रकरण को आगे विधिसम्मत कार्रवाई हेतु दर्ज किया जा रहा है। इस कार्रवाई से शहर के राजस्व एवं कर विभागों में चर्चा का माहौल है। जनता अब विभागीय स्तर पर होने वाली आगे की कार्रवाई और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर निगाहें गड़ाए हुए है।

मादक पदार्थो का रोकने सभी विभाग अपने स्तर से प्रभावी कार्यवाही : रानी बाटड

जिला स्तरीय नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर रानी बाटड की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नार्कोटिक्स क्वार्डिनेशन की जिला स्तरीय समिति की संपन्न बैठक में नशीले पदार्थो के उपयोग को रोकने के लिए सभी संबंधित विभागों द्वारा अपने स्तर से प्रभावी कार्यवाही जारी रखने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, अपर कलेक्टर संजना जैन, एडिशनल एसपी चंचल नागर, एसडीएम दिव्या पटेल, उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय, प्रभारी सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला, उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह, एसडीओ फारेस्ट यशपाल मेहरा, सहायक आबकारी अधिकारी लोकेश सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे भी उपस्थित थे।

कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि नशीले पदार्थों के उपयोग को रोकने और मादक पदार्थो के क्रय-विक्रय पर रोक लगाने सभी विभाग अपने स्तर से प्रभावी कार्यवाही जारी रखें। लोगों में जागरूकता लाने अवारनेंस कैंप भी लगायें। उन्होंने जनपद सीईओ को कहा कि जनपद स्तर पर प्रतिमाह कम से कम एक कार्यक्रम नशा मुक्ति का आवश्यक रूप से करवाये। कार्यक्रम में स्थानीय एनजीओ एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं का सहयोग भी ले। कलेक्टर ने कहा कि समिति की हर तीन माह में बैठक होगी और इसमें समन्वय के साथ कद्री गई कार्यवाही की समीक्षा की जायेगी। पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि नार्कोटिक्स एक्ट के तहत की गई कार्यवाही से जिले में कोरेक्स सिरप का अवैध व्यवसाय लगभग समाप्ति पर है। उन्होंने कहा कि मेडिकल स्टोर और दवा विक्रेता दुकानों में सिरप और नशीले टेबलेट्स की जांच सतत रूप से कराते रहे। उनके स्टाक का वेरिफिक्रेशन अवश्य करवाये। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जागरूकता के कार्यक्रमों में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। खासकर 10वीं और 12वीं के बच्चों के बीच नशे के दुष्प्रभाव की जानकारी से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाये जाये। कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी महाविद्यालयों में चिकित्सक, मनोचिकित्सक की उपस्थिति में नशा मुक्ति के कार्यक्रम किये जाये।

कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्र और निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने बुधवार को अधिकारियों के साथ सतना जिले के रामपुर बघेलान क्षेत्र का भ्रमण कर विकास एवं निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एमएसएमई के अधीन औद्योगिक क्षेत्र मटेहना के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग के मरम्मत और निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान रामपुर बघेलान के कोनिया में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत हितग्राही दिनकर कुशवाहा द्वारा बनाये गये बायो ब्लाक टैंक के निर्माण का निरीक्षण कर हितग्राही से होने वाले लाभ की जानकारी ली।

3 किलो गांजा, पुलिस ने देसी रिवाल्वर के साथ किया गिरफ्तार; आरोपी पर पहले से 28 मामले दज

मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। मैहर पुलिस ने 3 किलो 906 ग्राम अवैध गांजा के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से गांजा बिक्री से अर्जित 2 लाख 3 हजार 710 रुपए नकद और एक 32 बोर की देसी रिवाल्वर और एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ है। यह कार्रवाई रीवा आईजी गौरव राजपूत के 'ऑपरेशन प्रहार 2.0' अभियान के तहत की गई। मंगलवार को थाना कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी सुनील उर्फ पटवारी चौधरी के चंडीगंज कटरा मोहल्ला स्थित घर पर छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से गांजा और नकदी जब्त की।

आरोपी पर लिस्टेड गुंडा है, पहले से 28 मामले दर्ज: पुलिस ने देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस उससे गांजे के स्रोत के संबंध में पूछताछ कर रही है। यह भी बताया गया कि आरोपी के खिलाफ मैहर कोतवाली थाने में पहले से 28 विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं और वह थाने का लिस्टेड गुंडा है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे गांजा शिवम पयासी निवासी हिनौता कला, थाना कोतवाली की ओर से सप्लाई किया जाता था। इस जानकारी के आधार पर शिवम प्यासी के खिलाफ भी संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी सुनील उर्फ पटवारी चौधरी, पिता परदेशी चौधरी (41 वर्ष), निवासी चंडीगंज कटरा मोहल्ला, मैहर को आवश्यक कार्यवाही के बाद न्यायालय में पेश किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।